Title: PremI-Sharada Manu- Illustrated -Dashavatara, Bhagavad Gita and others

This manuscript consists of many texts in Sharada script and Sanskrit Language (Some pages are - repeated/ duplicate pages, not in order, incomplete).

[illegible]

[illegible] ||
[illegible] ||
[illegible] ||10||
[illegible]
[illegible] ||
[illegible] ||
[illegible] ||
||11|| [illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible] ||
||12|| [illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

[illegible]

णः ॥ तथैव तु सोऽपि विहरन्तु रामं
ऊर्ध्वं तु सर्वे समसप्तन्त्या ॥ १६
पृष्ठः पञ्चभिर्वक्त्रैः सदा पानः
सोऽपि तु सुपक्वं सुसूक्ष्मः ॥ नी
लोत्पलैर्भाव्यते विरतेयः ऊर्ध्वे
तेषु तं समन्वयः ॥ १७ ॥ ॐ ऊर्ध्वं
तं पद्मं प्रविशन्तः स्फुरन्तः
सत्वपञ्चभूतस्य ॥ भूपावे
तद्वत् ज्ञानं तु तवे सूक्ष्मपूजना
पञ्चमानसा ॥ [illegible]
[illegible]
[illegible]

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

[illegible] तं विष्णुं मनसा स्मरेत् ॥ [illegible] ॥ [illegible]
[illegible]
[illegible] ॥ [illegible]
तं विष्णुं मनसा स्मरेत् ॥ [illegible] ॥ [illegible]
[illegible]
[illegible] ॥ [illegible] तं विष्णुं म-
नसा स्मरेत् ॥ [illegible] ॥ [illegible]
[illegible] ॥ [illegible]
[illegible] तं विष्णुं मनसा स्मरेत्
॥ [illegible] ॥ [illegible]
[illegible] ॥ [illegible]
[illegible] तं विष्णुं मनसा स्मरेत् ॥ [illegible] ॥ [illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible] ॥ ॥

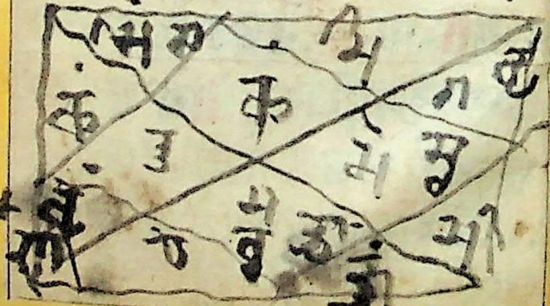
𑆅𑆠𑆴 𑆯𑇀𑆫𑆵 [illegible] 𑆱𑆩𑆳𑆥𑇀𑆠𑆳

𑆯𑇀𑆫𑆵𑆓𑆶𑆫𑆶𑆥𑆢𑆼𑆨𑇀𑆪𑆾 𑆤𑆩𑆂 ॥

[illegible]

[illegible]

[illegible]



[illegible]

[illegible] ॥ [illegible]

[illegible]



[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

शिखां बध्नीमा ॥ ॐ भूर्भुवः स्वः तत्सवि
तुर्वरेण्यं भर्गो देवस्य धीमहि ॥ धि
यो यो नः प्रचोदयात् ॥ ७ ॥ इति
शिखाबन्धनमन्त्रः ॥ गायत्री
मन्त्रेण यज्ञोपवीतमभिमन्त्र्य
ततः यज्ञोपवीतं परमं पवि
त्रं प्रजापतेर्यत्सहजं पुरस्तात् ॥
आयुष्यमग्र्यं प्रतिमुञ्च शुभ्रं यज्ञो
पवीतं बलमस्तु तेजः ॥ यज्ञोप
वीतमसि यज्ञस्य त्वा उपवीतेनो
पनह्यामि ॥ इति यज्ञोपवी
तधारणमन्त्रः ॥ मधुपर्क...

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

मदर्पाङ्क्षिः पुष्टिर्हृष्टैवः॥ ॐ
पुष्टिर्हृष्टप्रदाशिन्त्यकृतिक्रा
न्तादिवम्भमः भ्रीजभव
त्रैपघा॥ त्रनेवेधयाभगमवे
दभेवकुडयः भ्रकुडपेवक
डयः॥ भ्रंतिविजाघत्रीवि
भ्रुः॥ त्रिभ्रैडेवाप्रवत्रेय
त्रैवक्रुविग्रहमेपघहृः भ
पुण्यभक्तिः॥ ऽत्रिभवभक्तिम
त्रु॥॥ उतभ्रुभक्तिभत्रिंडभतं
मतुकृपिकृक्लिपेजा॥ हनप्तू
तदत्रीऽक्तः॥ त्रियतऽदूहघ

[illegible]

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

गायत्री वैष्णवी ह्येषा विष्णोः

[illegible]

[illegible]

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

ल्पेडा ॥ ॐ त्रिमत्पुराणविधिः ॥
भुवनाभमनः पुष्पमालागंधः
भवविशुंभवं ॥ निवमपूपडंव
मनपदलमंववंतलमः ॥
कुपेद्वेडकंतिपूमपवक
पत्रिमच्छीपं । नागीश्रयमवे
दंसूमदवंश्रावेदमैडेत्रश्रः ॥
इति श्रीगुरवे भगवतीकृपायैनमः
श्रीगणपतिउपेनमः ॥ ॥

[illegible] ॥ [illegible]
[illegible]
[illegible] ॥ [illegible]



[illegible] प्रकीर्तितः ॥ [illegible]
[illegible] हृदयः [illegible]
[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

𑇄 [illegible]: 𑆯𑇀𑆫𑆵[illegible]𑆢𑆼𑆮𑆠𑆳: 𑆘𑆥𑆼 𑆮𑆴-
𑆤𑆴𑆪𑆺𑆓: ॥ [illegible]
[illegible]
[illegible] ॥ [illegible]
[illegible] ॥
[illegible] ॥ [illegible]
[illegible]
[illegible] ॥ [illegible]
[illegible] ॥ [illegible]
[illegible]
[illegible] ॥ [illegible] ॥
[illegible]:

[illegible]
[illegible] ॥ [illegible]
[illegible] ॥ [illegible]
[illegible] ऋषिः गायत्री छन्दः सूर्यो दे-
वता: न्यासे विनियोगः ॥ ॐ [illegible]
[illegible]
[illegible] ॥ [illegible]
[illegible] ऋषिः अनुष्टुप् छन्दः ॥
सूर्यो देवता: न्यासे विनियो ॥ ॐ
[illegible]
[illegible]
[illegible] ॥ [illegible] ॥ [illegible]

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible] । [illegible] ।
[illegible] । [illegible]
[illegible] विनियोगः ॥ [illegible] ।
[illegible]
[illegible] । [illegible]
[illegible] ॥ [illegible]
[illegible] ॥ [illegible]
[illegible]
[illegible] ॥ [illegible] ।
[illegible] ॥ [illegible]
[illegible] विनियोगः ॥ [illegible]
[illegible]
०३ [illegible] ॥ [illegible] ॥ [illegible]

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

[illegible]

ऌम्भः॥ ह्रं घण्टाय हूं नमः॥ ह्रीं
उल्कायै हूं नमः॥ ह्रूं महाभयंकर
मः॥ ह्रैं सर्वाधिकरं हूं नमः॥ ह्रौं
कविषक हूं नमः॥ ह्रः करालव
क्त्रघण्ट हूं नमः॥ इति पञ्चमु
ऌम्भः॥ ह्रां हृदयाय नमः॥ ह्रीं
शिरसे स्वाहा॥ ह्रूं शिखायै वष
ट्॥ ह्रैं कवचाय हुम्॥ ह्रौं नेत्र
त्रयाय वौषट्॥ ह्रः अस्त्राय फट्॥
ॐ क्रूं क्रूं वः भगेभिडिंधि हूं हूं॥
ॐ पविरालभुभवंदैवं हूं दा
दक्षिणः॥ क्रूं ठं हूं दः॥ सङ्क

[illegible]

ष्टुष्टुवः प्रेमा ॥ इति श्रीरु
[illegible] ॥ [illegible]
[illegible]

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

[illegible]

य । श्रीगायत्रिमहादेविविभूविम
हृदयेभम । उतेवत्तं त्रिकुल
महृ ॥ स्वस्तुतपश्रदक्रुपग ॥
ढच्चनीय ॥ यङ्कुमभहंदह्व
श्रीगायत्रीमहावादयिये ॥ ढ
यभवऋहैंवक्रेति ॥ स्तुद्धय
ढह्वि । भभाह्वहुह्वेगान्धः ॥ उम
यत्तुभिड्डिपह्रुक्लिः भयंस्तु
ह्यपड्डिड्डेउ ॥ ह्वदस्यड्डिः ढ ।
यिः ॥ स्यगह्वुपा । क्षढः श्रदेयेव ।
ड ॥ उपक्तुववियेगा ॥ ढउ
स्ययत्तुभभास्यगिहेड्डियस्यतु

३३

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

[illegible]

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible] 𑇆𑆠𑆠𑆂 𑆥𑆶𑆫𑆶𑆰𑆱𑆷𑆑𑇀𑆠𑆁𑇆 [illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible] 𑇆 [illegible]
[illegible] 𑇆 𑇄𑆱
𑆲𑆱𑇀𑆫𑆯𑆵𑆫𑇀𑆰𑆂 𑆥𑆶𑆫𑆶𑆰𑆂 𑆱𑆲𑆱𑇀𑆫𑆳𑆑𑇀𑆰𑆂 𑆱𑆲
𑆱𑇀𑆫𑆥𑆳𑆠𑇀𑇆 𑆱 𑆨𑆷𑆩𑆴𑆁 𑆮𑆴𑆯𑇀𑆮𑆠𑆾 𑆮𑆸𑆠𑇀𑆮𑆳
𑆃𑆠𑇀𑆪𑆠𑆴𑆰𑇀𑆜𑆢𑇀𑆢𑆯𑆳𑆖𑇀𑆓𑆶𑆬𑆩𑇀𑇆𑇑𑇆 𑆥𑆶𑆫𑆶
𑆰 𑆍𑆮𑆼𑆢𑆁 𑆱𑆫𑇀𑆮𑆁 𑆪𑆢𑇀𑆨𑆷𑆠𑆁 𑆪𑆔𑇀𑆔 𑆨𑆮𑇀𑆪𑆁𑇆

[illegible]
[illegible] ॥ [illegible] ॥ [illegible]
[illegible] प्रकाशः ॥ [illegible]
[illegible]
[illegible] ॥ [illegible] प्रकाशः [illegible]
[illegible] ॥ ततो विष
[illegible] ॥
[illegible]
[illegible] प्रकाशः ॥ [illegible]
[illegible] ॥५॥
[illegible]
[illegible] ॥ [illegible]

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

[illegible]
[illegible] ॥ ४ ॥ [illegible]
[illegible] रूपः ॥ [illegible]
[illegible]
[illegible] ॥ [illegible] रूपः [illegible]
[illegible] ॥ ततो विश्व
[illegible] ॥
[illegible]
[illegible] रूपः ॥ [illegible]
[illegible] ॥ ५ ॥
[illegible]
[illegible] ॥ [illegible]

𑆓𑇀𑆫𑆵𑆰𑇀𑆩𑆼𑆇𑆰𑇀𑆟𑆂𑆱𑆫𑆱𑇀𑆠𑆶𑆮𑆴𑇆𑆇𑆥𑆯𑆁𑆮
𑆢𑇀𑆮𑆴𑆰𑆴𑆪𑆼𑆢𑆑𑇀𑆠𑆶𑆤𑆮𑆑𑇀𑆬𑆶𑆠𑇀𑆠𑆩𑆨𑆷𑆠𑆂𑇆
𑆇𑆫𑆼𑆮𑆰𑇀𑆩𑆮𑆬𑇀𑆠𑆶𑆨𑆩𑆸𑆠𑆬𑆥𑆡𑇅
𑆱𑇀𑆠𑆶𑆪𑆼𑇆𑆇𑆰𑇀𑆟𑆲𑆸𑆬𑆩𑆮𑆤𑆸𑆇𑆰𑇀𑆟𑆲𑆂
𑆬𑆥𑆢𑆲𑆩𑆳𑇆𑆥𑆑𑆶𑆁𑆨𑆶𑆁𑆱𑇀𑆠𑆶𑆪𑆼𑆮
𑆪𑆲𑆸𑆓𑆳𑆲𑆘𑇀𑆚𑆨𑆶𑆁𑆱𑇀𑆠𑆶𑆪𑆼𑇆𑆇𑆰𑇀𑆟
𑆲𑆸𑆬𑆲𑇀𑆩𑆮𑆑𑆸𑆇𑆠𑆮𑆂𑆨𑆨𑆮𑆴𑆬
𑆑𑇀𑆬𑆴𑆪𑆼𑇆𑆑𑆮𑆸𑆁𑆨𑆴𑆬𑆑𑇀𑆬𑆴𑆪𑆼𑆇𑆰𑇀𑆟
𑆲𑆸𑆰𑆨𑆶𑆰𑇀𑆟𑆢𑆬𑆪𑆇𑇆𑆇𑇆𑆇𑆰𑇀𑆟
𑆲𑆱𑇀𑆠𑆶𑆩𑆸𑆬𑆥𑆇𑇆𑆪𑆑𑆼𑆥𑆼𑆜𑆪𑆳𑆫
𑆇𑆂𑆓𑆳𑆮𑆼𑆢𑆬𑆑𑇀𑆬𑆴𑆪𑆼𑆇𑆰𑇀𑆟𑆇𑆰𑇀𑆟
𑆲𑆸𑆇𑆩𑆸𑆬𑆮𑆪𑆂𑇆𑆪𑆢𑆸𑆤𑆥𑆁𑆲𑆸𑆫

[illegible] ॥ [illegible]
[illegible]
[illegible] ॥१०॥ [illegible]
[illegible] ॥ [illegible]
[illegible]
[illegible] ॥११॥ [illegible]
[illegible] ॥ [illegible]
[illegible] ॥
[illegible]
[illegible] ॥ [illegible]
[illegible] ॥ [illegible]
[illegible]

[illegible]

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

ष्ठत्र्यम्भादिं श्रीगुरुपादविष्णु
रूपायै नमो नमः ॥ इति श्रीगुरू
पस्थानं ॥ अथ न्यासः ॥ ॐ नमो
उद्धृति ॥ असितग्रीव ॥ ॐ इन्द्रः पू
र्वे ॥ वरुणः दक्षिणे ॥ यमः पश्चि
ॐ इन्द्रः पश्चिमे ॥ ॐ वरुणः उत्तरे ॥ ॐ
यः ग्रहे ॥ ॐ भद्रः नर्के ॥ ॐ लवः
दक्षि ॥ ॐ उग्रः कद्रे ॥ ॐ भद्रं सि
गभि ॥ ॐ इन्द्रः सम्मुखे नमः ॥
ॐ वरुणः उत्तरे हं नमः ॥ ॐ भूः
भस्मा हूं नमः ॥ ॐ भद्रः सर्व
सिद्धं हूं नमः ॥ ॐ लृ रः कीर्तिं

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

[illegible]

[illegible]

यं पक्षुभाण्डाय नमः ॥ त्रैपद्म
णाय नमः ॥ गौर्यैभाण्डाय नमः
ऐ हृत्पकल्पलेय नमः ॥ वर्म
कटाय नमः ॥ शृष्यभयमाय न
मः ॥ जीविक्रिकाय नमः ॥ भस
भाविसृष्टाय नमः ॥ दिविनस्थ
य नमः ॥ ठिभवुक्काय नमः ॥
येभीनाय नमः ॥ पिक्रामाय नमः
नः चरादाय नमः ॥ पुभिंदक्ष
गुणाय नमः ॥ वेभदन्कत्रुयाय न
मः ॥ पक्षकृष्णाय नमः ॥ घञ्च
त्राय नमः ॥ ३३ ॥ पूर्णपाम

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

वृन्दरः || गणकृत्युः || नीलः
ध्वजः || परमेष्ठी | कुकुदरः || ही
मः | विष्णुः || विष्णुगुप्तः ||
ऊडः यज्ञोपवीती || एककेमल्ल
लिङ्गो वृद्धो ऽत भवकल्पः ||
यदत्रिपितम्भूभ्रूक्षुचेरैकै
कमल्लनिभाः || ऋषिद्विनधिः ||
पवमानः पञ्चवक्त्रः पृथीदतः
भृगीदितः || ऊर्ध्वमेदमदगन्धं ||
ॐभवकम्बुर्द्युतामा || ३ || भवरु
रः || ३ || अनन्तरः || ३ कपिलः || ३
सुभगः || ३ || वैकुण्ठः || ३ || पद्मसि

यः ॥ अमीघ्नि ॥ ऋग्विः ॥ ऋग्विकः ॥
धनभृः ॥ धनदः ॥ क्षुडः ॥ धृङ्गः
हृत्नुः ॥ वभिघः ॥ नगृढः ॥ ३ ॥
ठठः स्वाहा ठीठी ॥ ॐ तत्सवितु
दवपद ॥ ॐ तत्सवितुः अभिणीधि
ॐ तत्सवितुर्वरेण्यं
मडवे ॥ ॐ कहृवन्तनः भगव
भद्रहृत्ताभा ॥ ३ ॥ मन्त्रिः ॥ अभः ॥
अभपाः ॥ यभः ॥ भद्रभागमव
भद्रहृत्तां ॥ ३ ॥ मन्त्रिमडः ॥ व
दिवढः ॥ दविधत्तः ॥ भकलि
नः ॥ भट्टपाः ॥ वभवः ॥ रुद्रः ॥

[illegible]

𑆩𑆶𑆟𑆤𑆩𑆶𑆥𑇀𑆫𑆷𑆠𑆁𑇆𑇓𑇆𑆩𑆥𑆮𑆠𑆟
𑆝𑆪𑆠𑆼𑆩𑆥𑆲𑆫𑆠𑇀𑆫𑆴𑆩𑆴𑆮𑇀𑆫𑆮𑆂𑇆𑆩𑆰𑆵
𑆮𑇀𑆫𑆂𑆩𑆠𑇀𑆫𑆽𑆦𑆵𑆂𑇆𑆩𑆥𑆮𑆠𑇀𑆫𑆩𑆠𑆼𑆦𑆩𑇅
𑆩𑆥𑆶𑆩𑆢𑇀𑆪𑆴𑆮𑆁𑆫𑆤𑆂𑇆𑆩𑆥𑆲𑆼𑆫𑆠𑆶
𑆮𑆂𑆥𑆴𑆠𑆳𑇆𑆩𑆥𑆮𑆠𑇀𑆫𑆴𑆮𑆤𑆩𑆢𑆳𑆠𑆴𑇅𑆩
𑆥𑆶𑆁𑆩𑆳𑆥𑆶𑆩𑆶𑆧𑇀𑆫𑆢𑆂𑇆𑆩𑆳𑆰𑇀𑆫𑆵𑆘𑆳𑆮𑆼𑆜𑆮
𑆤𑆶𑆤𑆂𑇆𑆎𑆁𑆥𑆴𑆠𑆳𑆩𑆢𑆂𑆩𑆶𑆟𑆤𑆩𑆶
𑆥𑇀𑆫𑆷𑆠𑆁𑇆𑇓𑇆𑆤𑆩𑆾𑆮𑆂𑆥𑆴𑆠𑆫𑆾𑆩𑆲𑆮𑆼𑇅𑆤𑆩𑆾
𑆮𑆂𑆥𑆴𑆠𑆫𑆼𑆯𑆶𑆰𑇀𑆩𑆳𑆪𑇆𑆤𑆩𑆾𑆮𑆂𑆥𑆴𑆠𑆫𑆾
𑆘𑆵𑆮𑆳𑆪𑇆𑆤𑆩𑆾𑆮𑆂𑆥𑆴𑆠𑆫𑆾𑆫𑆩𑆳𑆪𑇅𑆤
𑆩𑆾𑆮𑆂𑆥𑆴𑆠𑆫𑆾𑆑𑇀𑆫𑆷𑆫𑆳𑆪𑇅𑆤𑆩𑆾𑆮𑆂𑆥𑆴𑆠
𑆫𑆾𑆮𑆤𑇀𑆪𑆳𑆪𑇆𑆤𑆩𑆾𑆤𑆩𑆾𑆮𑆂𑆥𑆴𑆠𑆫𑆂𑆩𑆶𑆟

वः पितरो देष्म पितरः [illegible]
स्थ तर्पयत मे पितॄन् [illegible]
[illegible] पितरः [illegible]
[illegible]
[illegible] ॥ ॐ [illegible]
[illegible] ॥ ॐ पितृभ्यो [illegible] ॥ ॐ
[illegible] ॥ ॐ मातृभ्यो [illegible] ॥ [illegible]
[illegible] ॥ [illegible]
[illegible]
[illegible] ॥ उदीरतामवर उत्परास [illegible]
[illegible] ॥ [illegible]
[illegible] ॥ [illegible]

उ० पं० ३१

देवतेभ्यश्चैव [illegible]॥
[illegible]
[illegible]
[illegible]॥ [illegible]॥ [illegible]॥
[illegible]॥ [illegible]॥ [illegible]॥
[illegible]॥ वसुभ्यो नमः॥ [illegible]
भ्यः॥ वरुणेभ्यो नमः॥ मरुद्भ्यो नमः॥ दे
वताभ्यो नमः॥ विश्वेभ्यो नमः॥ [illegible]
[illegible]तेभ्यो नमः॥ [illegible]
[illegible] नागानां गरुडकिन्नराः॥ पिशा
[illegible]
भुजगाः पन्नगाः॥ [illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]



[illegible]
[illegible] 𑇆 [illegible]
[illegible]
[illegible] 𑇆 [illegible]
[illegible] 𑇆 𑆯𑇀𑆫𑆵
𑆨𑆓𑆮𑆳𑆤𑆶𑆮𑆳𑆖 𑇆 [illegible]
[illegible]
[illegible] 𑇆 [illegible]
[illegible] 𑇆
[illegible]
[illegible] 𑇆 [illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

नविस्मरामि ॥ विघ्नेश्वर
लकचर्मभूतनाथकेशवविनाय
कम् ॥ श्रीवक्रेश्वराय ॥ कन
वल्लेन्द्रभिक्षुभिविश्वेश
गणपतिम् ॥ भुवनेशभु
मन्त्रं मुकुन्दविश्वेश्वरः
श्रीनन्दिकेश्वरभैरवाय ॥ भु
वनेशभूमन्त्रं भुवनेशमि
ममतः ॥ सत्यस्वरूपादि
तेजस्तमचमिन्द्रकमपरं ॥
करुणामयभगवानायकेशु
सर्वविनायकम् ॥ तेजस्त्रिम

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

[illegible]

मुक्तो भवाकिल्बिषैः ॥ भव
सिद्धिर्भवद्भिर्दिप्यन्त्वम
पुंसां कलमा ॥ नमस्येद्वि
ष्वमङ्कुं ते वैनयकंम्प
ता ॥ भवतालभसंभव
ल्लपद्रूपयोविपिल
प०व्यपि ॥ मभूयम्भगमिद्धु
मल्लेम्दविधिः पट्ठदमे
वप्लुते ॥ ॥ डगतिपठ
वपङ्क्षभवमेदंविदत्रि ॥
लिपतिपपविवंभट्ट

पा॰
भु
०

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

𑆢𑆪𑆱𑆼𑆛𑆼𑆮𑆱𑆿𑆥𑆶𑆠𑆾𑆠𑆩𑆼𑆓𑆼
𑆢𑆮𑆼𑆮𑇀𑆫𑆂 𑇆 𑆪𑆱𑆮𑆴𑆰𑇀𑆜𑆼𑆢𑆼𑆮
𑆤𑆨𑆱𑆼𑆰𑆁𑆠𑇀𑆫 𑆮𑆴𑆤𑆳𑆪𑆑𑆂 𑇆
𑆠𑆰𑆱𑆶𑆮𑆼𑆮𑆴𑆰𑇀𑆜𑆼𑆪𑆁𑆱𑆶𑆮𑆳𑆁
𑆱𑆨𑆶𑆮𑆴𑆗𑇀𑆗𑆴𑆠𑆂 𑇆 𑆱𑆶𑆮𑆫𑆵𑆢𑆼
𑆪𑆢𑆼𑆢𑆼𑆮𑆼𑆮𑆴𑆰𑇀𑆫𑆤𑆼𑆬𑆼𑆮𑆴𑆤𑆳𑆪
𑆑𑆂 𑇆 𑆠𑆢𑆤𑆼𑆑𑆼𑆥𑆑𑆫𑆁𑆠𑆾𑆥𑆼
𑆠𑆾𑆪𑆁𑆱𑆨𑆶𑆤𑆱𑆶𑆮𑆂 𑇆 𑆮𑆴𑆤𑆳𑆪
𑆑𑆴𑇀𑆰𑆪𑆑𑆫𑆼𑆢𑆼𑆮𑆱𑆷𑆢𑆢𑆪 𑇅
𑆢𑆨𑆂 𑇆 𑆬𑆪𑆷𑆱𑆨𑆶𑆮𑆼𑆪𑆁𑆪𑆠𑇀𑆫𑆼𑆤 𑇅
𑆟𑆢𑆑𑆨𑆠𑆾𑆨𑆠𑆾𑆪𑆼 𑇆 𑆱𑆨𑆷 𑇅

𑆯𑇀𑆫𑆵𑆮𑆴𑆤𑆳𑆪𑆑𑆥𑇀𑆫𑆮𑆫𑆳𑆬𑆩𑇀𑆧𑆶𑇆
𑆤𑆤𑆫𑆷𑆥𑆮𑆴𑆯𑆶𑆢𑇀𑆣𑆁𑆱𑆴𑇆𑆯𑇀𑆫𑆵
𑆝𑆓𑆮𑆳𑆤𑇀𑆠𑇀𑆫𑆴𑆮𑆛𑆥𑆴𑆂𑇆𑆯𑇀𑆫𑆵𑆮𑆴
𑆤𑆳𑆪𑆑𑆼𑆢𑆼𑆮𑆠𑆶𑆂𑇆𑆟𑇀𑆝𑆩𑆑𑆥
𑆈𑆩𑆼𑆑𑆱𑆴𑆢𑇀𑆣𑆷𑆑𑆼𑆁𑇆𑆮𑆪𑆼𑆘𑆇
𑆬𑆼𑆰𑇀𑆥𑆷𑆁𑆘𑆥𑆟𑇀𑆮𑆴𑆮𑆴𑆣𑆼𑆓𑆂𑇆
𑆯𑇀𑆫𑆵𑆓𑆶𑆫𑆶𑆫𑆳𑆘𑇆 𑆝𑆴𑆑𑆫𑆩𑆳
𑆩𑆠𑆁𑆧𑆇𑆱𑆴𑆮𑆩𑆲𑆫𑆩𑆲𑆷𑆁
𑆔𑆩𑆨𑆤𑆠𑇀𑆫𑆴𑆮𑆼𑆑𑆼𑆥𑆶𑆠𑆁𑆥𑇀𑆲𑆼
𑆮𑆴𑆤𑆳𑆪𑆑𑆩𑆳𑇆𑆔𑆠𑆂𑆥𑆬𑆶
𑆘𑇀𑆚𑆓𑆠𑆁𑆔𑆂𑆩𑆳𑆑𑆵𑆲𑆸𑆢𑆪𑆩𑆴

[illegible]

ह्रीं त्वमसि गणाधिपमा |
विघ्नेश्वरं विनायकं त्वां |
लगाउमपि || पुनः त्वमसि ग
णाधिपं पालकं त्रिविक्रम
मा || उद्गमस्तत्ते येवेभ्रूठ
वर्त्तः श्रीकंठे विक्रुः | वले
दरदरप्रभुं भूपदेविर
घकमा || विणघकूपले क्षि
कृवेमकदमवेरमभा || घं
भूपमृत्तीमनीतं मुपहेग
णाधिपमा || नीलयघर्भ

[illegible]

𑆩𑆼𑆲𑆷𑆩𑆜𑆪𑆥𑆸𑆱𑆩𑆳𑇆𑆢𑆴𑆫𑆘𑇀𑆘𑆪
𑆥𑆶𑆫𑆠𑆶𑆂𑆱𑆁𑆠𑆩𑆱𑇀𑆩𑆴𑆱𑆫𑇀𑆮𑆓𑆠𑆂𑇆
𑆔𑆾𑆛𑆴𑆫𑆠𑆴𑆓𑆴𑆫𑆵𑆱𑇀𑆪𑆫𑆠𑇀𑆫𑆓𑆴
𑆠𑇀𑆫𑆠𑆟𑆼𑆫𑆮𑆼𑆂𑇆𑆫𑆮𑆼𑆩𑇀𑆤𑆠𑆶𑆩𑆬
𑆫𑆮𑆼𑆩𑆶𑆁𑆮𑆼𑆩𑆴𑆲𑆴𑆫𑆱𑆫𑆩𑆳𑇆
𑆤𑆵𑆬𑆔𑆳𑆥𑆶𑆱𑆠𑆳𑆔𑆼𑆫𑆥𑆱𑆶𑆁
𑆓𑆬𑆵𑆲𑆠𑇀𑆫𑆘𑆳𑇆𑆮𑆴𑆩𑆵𑆢𑆠𑆼𑆩𑆳
𑆱𑆽𑆬𑆽𑆥𑆳𑆠𑆼𑆁𑆮𑆫𑆼𑆱𑆑𑆮𑆴𑆫𑆷
𑆩𑆩𑆳𑇆𑆔𑆛𑇀𑆑𑆫𑆠𑆱𑆫𑆽𑆜𑆴𑆫𑆩𑆳
𑆑𑆂𑆱𑆠𑆩𑆢𑆩𑆟𑇆𑆮𑆴𑆩𑆵𑆢
𑆠𑆼𑆩𑆩𑆢𑆶𑆱𑇀𑆠𑆶𑆁𑆫𑆠𑆼𑆩𑇀𑆱𑆓𑆶
𑆠𑆴𑆥𑆩𑆳𑇆𑆮𑆴𑆩𑆳𑆑𑆔𑆠𑆑𑆩𑆷

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

[illegible]

श्रीदमुपवीताय नमः पय
सिप्रवे ॥ गायत्र्यप नमसु
हुं गायत्रि तर्पयामि । गाः
यत्रस्मयक्षं पं करग्ध्रं
क्षिन्तर्पयामि ॥ सहदेवाय वै
मुहंसहदेवानर्पयामि ॥
सहदेवानां तर्पयामि सहदेवा
क्षिन्तर्प्यै ॥ वलूहरूपय
दपयोगाहरूपवीमते ॥
कृतहकपठहूपगान्ः
हरपयेतेनमः ॥ योगपीठत्रु
रक्षयपयोगिन्त्यो । गगपि,

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

[illegible]

𑆠𑇀𑆫𑆴𑆤𑆼𑇈𑇑𑇔𑇈𑆠𑇀𑆫𑆴𑆥𑆶𑆫𑆱𑆶𑆤𑇀𑆢𑆫𑆵𑆑
𑆩𑆼𑆤𑆥𑇀𑆫𑆑𑆸𑆠𑆴𑆒𑇀𑆪𑆥𑆾𑆑𑆶𑆬𑆴𑆤𑆵𑇈
𑆤𑆩𑆂𑆨𑆩𑆨𑆶𑆓𑆵𑆮𑆳𑆬𑆮𑆑𑇀𑆠𑇀𑆫
𑆠𑇀𑆫𑆴𑆒𑆟𑇀𑆝𑆳𑆪𑆼𑆠𑆼𑇈𑆱𑆴𑆤𑆩𑆼𑆤𑆩𑆼𑇀𑆠𑇀𑆫𑆼𑇆
𑆓𑆳𑆬𑆤𑆳𑆪𑆑𑆳𑆪𑇅𑆤𑆳𑆪𑆑𑆳𑆪
𑆓𑆴𑆬𑆤𑆳𑆪𑆑𑆳𑆪𑇈𑆮𑆴𑆤𑆳𑆪𑆑
𑆥𑆳𑆛𑆥𑆢𑆳𑆪𑆑𑆳𑆪𑇈𑆤𑆩𑆂𑆯𑆶𑆑
𑆤𑆨𑆥𑆤𑆳𑆪𑆑𑆳𑆪𑇈𑆓𑆟𑆼𑆯𑆴𑆫
𑆍𑆥𑆓𑆟𑆼𑆯𑆩𑆳𑆤𑇀𑆠𑇀𑆫𑆼𑆓𑆍𑆴𑆫𑆍
𑆥𑆓𑆍𑆫𑆤𑆳𑆪𑇈𑆩𑆠𑆳𑆤𑆤𑆳𑆪𑆳𑆩𑆴
𑆠𑆮𑆴𑆑𑇀𑆫𑆩𑆳𑆪𑇅𑆤𑆩𑆼𑆤𑆩𑆼𑆤𑇀𑆢𑇀𑆫𑆮𑆴𑆫
𑆩𑆤𑆳𑆪𑇈𑇑𑇕𑇈𑆯𑆶𑆤𑆳𑆩𑆪𑆳𑆪𑆳𑆩𑆤

[illegible]

वते नमोस्तु ॥ नमोस्तु ते विश्व
विधामकाय ॥ नमोस्तु ते ठक्रु
ठपपदाय ॥ नमोस्तु ते भक्त
मनःस्थिताय ॥ नमस्तु कुबे
रनायकाय ॥ १३ ॥ स्वस्ति
लकुबरसंतु भण्डाम्मेक
धर्दे ॥ निधिलक्ष्मीरमितेर्दुरि
कुलाघाहुघाघ ॥ पूलतुम
कुलगेभृप्युलिलंकुलकटु ॥
मकलविवरामम्भृविस्तुरे
दे नमोस्तु ॥ १४ ॥ धनसक्तोलि
मविविधे विजतेद्धिष्णरंः ॥

गौ श्रीः ९७

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

[illegible]

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

पुष्टवेद्रतुः भवेदेवप्रियः
भक्त॥ प्रियोविनायकभूपि
प्रियोभक्तंविमेधतः॥ भक्त
लाभि॥ द्रुःभवङ्कः भवकुत
दितेरतः॥ भवपल्लवपद्म
तुः भवकृतिः भवमेधतः॥ उव
गल्लवभक्तठवयक्तभू
वीभतः॥ भक्तिज्ञगत्रियेभू
भिरभा॥ हृनमदक्षमभा॥
उभद्रभवयपत्रेभवरा
लंलपेत्रः॥ भवल्लभूल
ठेमज्जिंवः भूभेषठयेष॥

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

[illegible]

मुकुंदं [illegible] विनिर्मितः ॥ [illegible]
[illegible]
[illegible] ॥ [illegible]
[illegible] ॥ [illegible]
[illegible] ॥
[illegible]
[illegible]
[illegible] ॥ ॥ ॥

इति श्रीविष्णुधर्मोत्तरे [illegible]
[illegible]
[illegible] अध्यायः ॥

॥ श्रीशुभमस्तु ॥ ॥

[illegible]

[illegible]

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]𑆫𑆳𑆩𑆫𑆳𑆩 𑇆 𑆯𑇀𑆫𑆵𑆫𑆳𑆩𑆫𑆳𑆩[illegible]
[illegible]𑆫𑆳𑆩𑆫𑆳𑆩 𑇆 𑆯𑇀𑆫𑆵𑆫𑆳𑆩𑆫𑆳𑆩 𑇆 𑇓 𑇆 𑆯𑇀𑆫𑆵𑆫
𑆳𑆩𑆫𑆳𑆩[illegible]𑆫𑆳𑆩𑆫𑆳𑆩 𑇅 𑆯𑇀𑆫𑆵𑆫
𑆳𑆩𑆫𑆳𑆩[illegible]𑆫𑆳𑆩𑆫𑆳𑆩 𑇆 𑆯𑇀𑆫𑆵𑆫
𑆳𑆩[illegible] 𑇆 𑇔 𑇆 𑆯𑇀𑆫𑆵𑆫𑆳𑆩𑆫𑆳𑆩[illegible]
[illegible]𑆫𑆳𑆩𑆫𑆳𑆩 𑇆 𑆯𑇀𑆫𑆵𑆫𑆳𑆩𑆫𑆳𑆩[illegible]
[illegible]𑆫𑆳𑆩𑆫𑆳𑆩 𑇅 𑆯𑇀𑆫𑆵𑆫𑆳𑆩𑆫𑆳𑆩[illegible]
[illegible]𑆫𑆳𑆩𑆫𑆳𑆩 𑇆 𑆯𑇀𑆫𑆵𑆫𑆳𑆩𑆫𑆳𑆩[illegible] 𑇅 𑇕
𑆯𑇀𑆫𑆵𑆫𑆳𑆩𑆫𑆳𑆩[illegible]𑆫𑆳𑆩𑆫𑆳𑆩 𑇅
𑆯𑇀𑆫𑆵𑆫𑆳𑆩𑆫𑆳𑆩[illegible]𑆫𑆳𑆩𑆫𑆳𑆩 𑇅
𑆯𑇀𑆫𑆵𑆫𑆳𑆩𑆫𑆳𑆩[illegible]𑆫𑆳𑆩𑆫𑆳𑆩 𑇅
𑆯𑇀𑆫𑆵𑆫𑆳𑆩𑆫𑆳𑆩 𑇆 𑇑 𑇆 𑆯𑇀𑆫𑆵𑆫𑆳𑆩𑆫𑆳𑆩[illegible]

रि उत्तकरामराम ॥ श्रीरामराम
रघुत्तुकरामराम ॥ श्रीरामराम
रकुत्तुकरामराम ॥ श्रीरामराम ॥
श्रीरामराममकविप्रियरामराम ॥
श्रीरामराममलक्ष्मणप्रियरामराम ॥
श्रीरामराममभविप्रियरामराम ॥
श्रीरामराम ॥ रणंठरामराम ॥
त ॥ रामभुक्तेमितं पुण्यं पेयं तु
मतेभमा ॥ मवं श्लोकपठितु
भूयपञ्चते वैकुण्ठं मा ॥ पठि
श्रीरामभुक्ते पैभा ॥ रामं नक
लघुवरं रामकं मीनपत्तिमन
ं ॥ कत्तु कन [illegible] विति [illegible]

[illegible]

[illegible]





[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

हूं नमः ॥ नमो नैर्ऋत्याय चतुर्पं
रक्षिधयत्रिभास्कराय त्रिलजी
हूं नमः ॥ मस्कं हे यभास्त्रिय
भल्ले हे मे धूम्रवर्णाविभवरमा
हूं नमः ॥ निर्हः मखगाङ्गः भ्रा
भ्रमलिये भसान्यवर्ण्डे हनाभि
कं हूं नमः ॥ पञ्चभेपाकृप
लिमाङ्गेभवभक्तपृसर्वाके
लिखिकां हूं नमः ॥ नानाविप
निधिहे विनयाय वल्लुदर्गीवि
मर्वाङ्किकण्ठालक्ष्मणभू हूं नमः

[illegible]

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

[illegible]

गी. २

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

[illegible]

ॐ॥ अपराधं तु अस्माकं केवलं लक्ष्मी
क्षान्तिविद्या। परं तु ह्रियमे
धं च लक्ष्मी भाति विद्या ॥ १०
स्वयं च युगमवेधयथाङ्गनाम्
वर्तितः॥ श्री ध्यमेवाङ्गिवद्
वत्रः अचलपवदि॥ ११॥ इष
अनुग्रहफलं ज्ञानकण्ठः पित
अदः॥ भिंदयाम्बिवि हेत्रैः
मन्दरस्फटिकेन्दुपवाना॥ १२
त्रः मस्त्वस्त्वकीर्तिस्त्वपल्लवाग्र
गिभाषाः॥ अदम्भवाहुदवेत्र

सशब्दस्तुमुलोऽभवत् ॥ १३ ॥ ततः
श्वेतैर्हयैर्युक्ते महति स्यन्दने स्थि-
तौ ॥ माधवः पाण्डवश्चैव दिव्यौ
शङ्खौ प्रदध्मतुः ॥ १४ ॥ पाञ्चज-
न्यं हृषीकेशो देवदत्तं धनञ्जयः ॥
पौण्ड्रं दध्मौ महाशङ्खं भीमकर्मा
वृकोदरः ॥ १५ ॥ अनन्तविजयं
राजा कुन्तीपुत्रो युधिष्ठिरः ॥ नकु-
गी० लः सहदेवश्च सुघोषमणिपुष्प-
कौ ॥ १६ ॥ काश्यश्च परमेष्वास
: शिखण्डी च महारथः ॥ धृष्ट-

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

[illegible]

[illegible]

गी ३

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

स्वाहा ॥ ३७ ॥ ज्वलद्दीप्ते
-पूर्णे ज्वलत्पद्मः अनन्तः ॥
पद्मे चन्द्रे ज्वलं तत्त्वमध्ये स्थितेव
हुं ॥ ३८ ॥ मध्ये स्थितेव हुं हुं
ऽपूर्णे ज्वलच्छ्रियः ॥ श्रीचक्र
भवा ह्रीं एवं त्वं लक्ष्मीः ॥
४० ॥ भक्तिनाकपीठ ज्वलत्
-ञ्ज्वलद्धामा ॥ पञ्चपिण्डे ह्रीं
-लक्ष्मीपिण्डे कल्पितः ॥ ४१ ॥
ह्रैं ह्रीं हुंः ज्वलद्धामां त्वं लक्ष्मीम
कारकैः ॥ ॐ ह्रीं हंसः पद्मः

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

धीकेशं गुडाकेशः परंतप ॥ नयो
त्स्य इति गोविन्दमुक्त्वा तूष्णीं बभूव ह
९ ॥ तमुवाच हृषीकेशः प्रहसन्नि
व भारत । सेनयोरुभयोर्मध्ये विषी
दन्तमिदं वचः ॥ १० ॥ श्रीभगवानु
वाच ॥ अशोच्यानन्वशोचस्त्वं प्रज्ञाव
दांश्च भाषसे ॥ गतासूनगतासूंश्च
नानुशोचन्ति पण्डिताः ॥ ११ ॥ न त्वे
वाहं जातु नासं न त्वं नेमे जनाधिपाः
न चैव न भविष्यामः सर्वे वयमतः
परम् ॥ १२ ॥ देहिनोऽस्मिन्यथा दे
हे कौमारं यौवनं जरा ॥ तथा देहा

गी॰ ०३

षीकेशं गुडाकेशः परन्तप || न यो
त्स्य इति गोविन्दमुक्त्वा तूष्णीं बभूव ह
९ || तमुवाच हृषीकेशः प्रहसन्नि
व भारत || सेनयोरुभयोर्मध्ये विषी
दन्तमिदं वचः || १० || श्रीभगवानु
वाच || अशोच्यानन्वशोचस्त्वं प्रज्ञाव
दांश्च भाषसे || गतासूनगतासूंश्च
नानुशोचन्ति पण्डिताः || ११ || न त्वे
वाहं जातु नासं न त्वं नेमे जनाधिपाः
न चैव न भविष्यामः सर्वे वयमतः
परम् || १२ || देहिनोऽस्मिन्यथा देहे
कौमारं यौवनं जरा || तथा देहा

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

गी.
[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

ती॰
७१

[illegible]

गतस्पृहः ॥ वीतरागभयक्रोधः स्थि
तधीर्मुनिरुच्यते ॥ ५६ ॥ यः सर्वत्रा
निभस्नेहस्तत्तत्प्राप्य शुभाशुभम् ॥ ना
भिनन्दति न द्वेष्टि तस्य प्रज्ञा प्रतिष्ठि
ता ॥ ५७ ॥ यदा संहरते चायं कूर्मोऽङ्गानीव
सर्वशः ॥ इन्द्रियाणीन्द्रियार्थेभ्य
स्तस्य प्रज्ञा प्रतिष्ठिता ॥ ५८ ॥ विषया
विनिवर्तन्ते निराहारस्य देहिनः ॥ र
सवर्जं रसोऽप्यस्य परं दृष्ट्वा निवर्तते
गी. ०२ ५९ ॥ यततो ह्यपि कौन्तेय पुरुषस्य
विपश्चितः ॥ इन्द्रियाणि प्रमाथीनि

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

[illegible]

मायामेतां तरन्ति ते ॥ १४ ॥ न मां दु-
ष्कृतिनो मूढाः प्रपद्यन्ते नराधमाः ॥
माययापहृतज्ञाना आसुरं भावमाश्रि-
ताः ॥ १५ ॥ चतुर्विधा भजन्ते मां
जनाः सुकृतिनोऽर्जुन ॥ आर्तो जिज्ञासुरर्था-
र्थी ज्ञानी च भरतर्षभ ॥
१६ ॥ तेषां ज्ञानी नित्ययुक्त एकभक्तिर्वि-
शिष्यते ॥ प्रियो हि ज्ञानिनोऽत्यर्थम-
हं स च मम प्रियः ॥ १७ ॥ उदाराः
सर्व एवैते ज्ञानी त्वात्मैव मे मतम्
आस्थितः स हि युक्तात्मा मामेवानुत्तमां

गी॰ ७७

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

[illegible]

नमो भगवते ॥ ॐ [illegible]
[illegible] ॥
१ ॥ [illegible]
[illegible] ॥ [illegible]
[illegible]
[illegible] ॥ २ ॥ [illegible]
[illegible] ॥ [illegible]
[illegible]
॥ ३ ॥ [illegible]
[illegible] ॥ [illegible]
[illegible] ॥

ती॰ ५०

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

𑆯𑆴𑆤𑆂𑆱𑆁𑆠𑆾𑆩𑆶𑆖𑇀𑆪𑆤𑇀𑆠𑆼𑆱𑆫𑇀𑆮𑆑𑆴𑆬𑇀𑆧𑆴𑆰𑆽
𑆂 𑇆 𑆨𑆶𑆚𑇀𑆘𑆠𑆼𑆠𑆼𑆠𑇀𑆮𑆔𑆁𑆥𑆳𑆥𑆳𑆪𑆼𑆥𑆖
𑆤𑇀𑆠𑇀𑆪𑆳𑆠𑇀𑆩𑆑𑆳𑆫𑆟𑆳𑆠𑇀 𑇆 𑇑𑇓 𑇆 𑆃𑆤𑇀𑆤𑆳𑆢𑇀𑆨
𑆮𑆤𑇀𑆠𑆴𑆨𑆷𑆠𑆳𑆤𑆴𑆥𑆫𑇀𑆘𑆤𑇀𑆪𑆳𑆢𑆤𑇀𑆤𑆱𑆁𑆨𑆮𑆂
𑆪𑆘𑇀𑆚𑆳𑆢𑇀𑆨𑆮𑆠𑆴𑆥𑆫𑇀𑆘𑆤𑇀𑆪𑆾𑆪𑆘𑇀𑆚𑆂𑆑𑆫𑇀𑆩
𑆱𑆩𑆶𑆢𑇀𑆨𑆮𑆂 𑇆 𑇑𑇔 𑇆 𑆑𑆫𑇀𑆩𑆧𑇀𑆫𑆲𑇀𑆩𑆾𑆢𑇀𑆨
𑆮𑆁𑆮𑆴𑆢𑇀𑆣𑆴𑆧𑇀𑆫𑆲𑇀𑆩𑆳𑆑𑇀𑆰𑆫𑆱𑆩𑆶𑆢𑇀𑆨𑆮𑆩𑇀
𑆠𑆱𑇀𑆩𑆳𑆠𑇀𑆱𑆫𑇀𑆮𑆓𑆠𑆁𑆧𑇀𑆫𑆲𑇀𑆩𑆤𑆴𑆠𑇀𑆪𑆁𑆪𑆘𑇀𑆚𑆼
𑆥𑇀𑆫𑆠𑆴𑆰𑇀𑆜𑆴𑆠𑆩𑇀 𑇆 𑇑𑇕 𑇆 𑆍𑆮𑆁𑆥𑇀𑆫
𑆮𑆫𑇀𑆠𑆴𑆠𑆁𑆖𑆑𑇀𑆫𑆁𑆤𑆳𑆤𑆶𑆮𑆫𑇀𑆠𑆪𑆠𑆵𑆲𑆪𑆂

𑆓𑆵॰ 𑇓𑇓

[illegible]

[illegible]

गी. ९३

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

कान्तमितिमतौ ॥ ११ ॥ इत्थं वि
ज्ञमदादित्यलोकमविकाश
यं ॥ तुभ्यं तल्लब्ध्वा ततोऽभि
ज्ञस्मद्भ्यो ॥ १२ ॥ यद्भवेत्तल्ल
मम्रतः मद्भूत्यैतल्लोकमम
ज्ञानज्ञ्ञ विस्मिमच्छ्रेद्भ्रूवि
विमलयेत ॥ १३ ॥ भवि मव
लिकमालि मद्दृष्टा ह्युद्धरे
भा ॥ विश्वामी विश्वमिक्ष्वापुष
ष्वविग्राहज्ञ्वः ॥ १४ ॥ येषामेवभा
मिंवित्यमत्रजिद्धुतिभावता:

गी. ५५

तात् ॥ स्वधर्मे निधनं श्रेयः परधर्मो
भयावहः ॥३५॥ अर्जुन उवाच ॥
अथ केन प्रयुक्तोऽयं पापं चरति पू
रुषः ॥ अनिच्छन्नपि वार्ष्णेय ब
लादिव नियोजितः ॥३६॥ श्री
भगवानुवाच ॥ काम एष क्रोध
एष रजोगुणसमुद्भवः ॥ महा
शनो महापाप्मा विद्ध्येनमिह वै
गी. ३५ रिणम् ॥३७॥ धूमेनाव्रियते व
ह्निर्यथादर्शो मलेन च ॥ यथोल्बे
नावृतो गर्भस्तथा तेनेदमावृतम् ॥

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

𑆪𑆂 𑇆 [illegible]

[illegible] 𑇆𑇑𑇐𑇆 [illegible]

[illegible]𑆂 𑇆

𑆩𑆳𑆓𑆵𑆁 [illegible]

𑆑𑆴[illegible] 𑇆𑇑𑇑𑇆 [illegible]

[illegible]𑆂 𑇆

𑆨𑆩𑆂 [illegible]

[illegible] 𑇆𑇑𑇒𑇆 [illegible]

[illegible] 𑇆 [illegible]

[illegible]

𑆬𑆵𑆪𑆠𑆼 𑇆𑇑𑇓𑇆 [illegible]

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

[illegible]

हृदि भवि ॥ ७४ ॥ मूर्धि विस्तरि शिर
पिहः भवेहः पापघ्नं भः ॥ भ
वं ह्लन प्रवेवैवक्षरिपं भउवि
भि ॥ ७ ॥ यचैवं भिआभिहुवि
रूभआभुकटेलन ॥ हुतात्रिभ
वकमा लिरूभअभरुकटेउब
७ ॥ नदिहुवैवभमुसंपविः
भिदविहुउ ॥ उड्डुयंयेगांभवि
हुःकालेनाघ्नीविवर्पाइ ॥ ७८
मुहुवांक्षकड्डुवंउद्धः भंय
उम्रियः ॥ हुवंलघ्नुपगंभावि

[illegible]
[illegible]
॥ अर्जुन उवाच ॥ [illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible] ॥ १ ॥ श्रीभगवानुवाच
[illegible]
[illegible]
[illegible] ॥ २ ॥ [illegible]
[illegible]
[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

[illegible]

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

[illegible]

गी॰ ३५

मतिर्भिन्नपरायणः ॥ विनाऽस्क
ठ्यर्थिविः भवाभुक्तापवम ॥ १ ॥
देवांयपक्षपमंप्सवलिकभदे
शुभो ॥ भवतंभवक्षणांक्षुद्व
भंपन्तिभक्ता ॥ ४७ ॥ इति श्रीम
गवद्गीतासूपनिषत्सु ब्रह्मविद्यायां
योगशास्त्रे श्रीकृष्णार्जुनसंवादे भ
क्तियोगो नाम महाध्यायः ११ ॥
श्रीभगवानुवाच । विश्वरूपाशि॰
कष्टलंकरंकमदकरोतियः ॥ भ
भवन्भीमद्यमीमनविद्याविश्रमा

गी॰ ३५

क्रियः ॥ [illegible]
[illegible]
[illegible] कलेवर ॥ १ ॥
[illegible]
[illegible] ॥ [illegible]
कालमृत्यु ॥ २ ॥ [illegible]
[illegible] ॥
[illegible]
[illegible] ॥ ३ ॥ [illegible]
[illegible] ॥ [illegible]
[illegible] ॥ ४

गी॰ ३

बन्धुरात्मात्मनस्तस्य येनात्मैवात्म
ना जितः॥ अनात्मनस्तु शत्रुत्वे व
र्तेतात्मैव शत्रुवत् ॥६॥ जितात्म
नः प्रशान्तस्य परमात्मा समाहि
तः॥ शीतोष्णसुखदुःखेषु तथा
मानापमानयोः ॥७॥ ज्ञानविज्ञा
नतृप्तात्मा कूटस्थो विजितेन्द्रि
यः॥ युक्त इत्युच्यते योगी समलो
ष्टाश्मकाञ्चनः ॥८॥ सुहृन्मि
त्रार्युदासीनमध्यस्थद्वेष्यबन्धुषु
साधुष्वपि च पापेषु समबुद्धि

[illegible]

[illegible]

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

बुधा भावसमन्विताः॥ ८ मच्चित्ता मद्गतप्राणा बोधयन्तः परस्परम्। कथयन्तश्च मां नित्यं तुष्यन्ति च रमन्ति च॥ ९॥

तेषां सततयुक्तानां भजतां प्रीतिपूर्वकम्। ददामि बुद्धियोगं तं येन मामुपयान्ति ते॥ १०

तेषामेवानुकम्पार्थमहमज्ञानजं तमः। नाशयाम्यात्मभावस्थो ज्ञानदीपेन भास्वता॥ ११॥

अर्जुन उवाच॥

परं ब्रह्म परं धाम पवित्रं परमं भवान्॥ पुरुषं शाश्वतं दिव्यमादिदेवमजं विभुम्॥ १२॥ आहु

गी· ३०

लं दिमनः [illegible]
के ॥ इष्टं देवि शृणुष्व मे [illegible]
[illegible] ॥ [illegible] ॥ श्रीभैरव उ
वाच ॥ [illegible]
[illegible] ॥ [illegible]
[illegible] ॥ [illegible] ॥ [illegible]
[illegible]
ति: ॥ [illegible]
[illegible] ॥ [illegible] ॥ [illegible]
च ॥ [illegible]
[illegible] ॥ [illegible]

द्धिं कां गतिं कृष्ण गच्छति ॥ ३७ ॥
कच्चिन्नोभयविभ्रष्टश्छिन्नाभ्रमिव
नश्यति ॥ अप्रतिष्ठो महाबाहो वि
मूढो ब्रह्मणः पथि ॥ ३८ ॥ एत
न्मे संशयं कृष्ण छेत्तुमर्हस्यशे
षतः ॥ त्वदन्यः संशयस्यास्य छेत्ता
न ह्युपपद्यते ॥ ३९ ॥ श्रीभगवा
नुवाच ॥ पार्थैव नेह नामुत्र वि
गी. ८ नाशस्तस्य विद्यते ॥ न हि कल्या
णकृत्कश्चिद्दुर्गतिं तात गच्छति ।
४० ॥ प्राप्य पुण्यकृतांल्लोकानुषित

[illegible]

[illegible]

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
गी. [illegible]
[illegible]
[illegible]

श्रीवंभचक्रडेगुडपद्माभिडप
श्रिग्र॥ ९ ॥ गीलंभंभचक्रडवं
विश्विपाङ्भवाप्रवं॥ वङ्गुङ्गडि
भडभभिदिडेलसुलश्रिनाभदं
१०॥ ठलंठलवङमादकभव
गाविवलिलं॥ ठवकिडेक्रडेग
कमिभिकवस्मक॥ ११ ॥ घेडंव
भवङ्किकठवावालभाभाभभ
ब्रठे॥ भड्डपवेडिगविक्रिडह
दंडेगुडेभयि॥ १२ ॥ श्रिकिलुल
भपेकावेंगकिभचभिंफलगाडं

[illegible] ॥३०॥ अर्जुन उवाच किं तद्ब्रह्म
किमध्यात्मं किं कर्म पुरुषोत्तम
अधिभूतं च किं प्रोक्तमधिदैवं [illegible] ॥
१॥ अधियज्ञः कथं कोऽत्र देहेऽस्मिन्
मधुसूदन प्रयाणकाले च कथं ज्ञेयोऽसि
नियतात्मभिः ॥२॥ श्रीभगवानुवाच
अक्षरं परमं ब्रह्म स्वभावोऽध्यात्ममुच्यते
भूतभावोद्भवकरो विसर्गः कर्मसंज्ञि-
तः ॥३॥ अधिभूतं क्षरो भावः पुरुषश्चा-
धिदैवतम् अधियज्ञोऽहमेवात्र ॥४॥ अन्तकाले
च मामेव स्मरन्मुक्त्वा कलेवरम्

गी· ११

[illegible]

२९ ॥ साधिभूताधिदैवं मां साधि
यज्ञं च ये विदुः ॥ प्रयाणकाले
पि च मां ते विदुर्युक्तचेतसः ॥ ३० ॥
ॐ इति श्रीभगवद्गीतासूपनिषत्सु
ब्रह्मविद्यायां योगशास्त्रे श्रीकृष्णार्जु
न संवादे ज्ञानविज्ञानयोगो नाम स
प्तमोऽध्यायः ॥ ७ ॥ अर्जुन उवाच
किं तद्ब्रह्म किमध्यात्मं किं कर्म पु
रुषोत्तम ॥ अधिभूतं च किं प्रोक्तम
धिदैवं किमुच्यते ॥ १ ॥ अधियज्ञ
ः कथं कोऽत्र देहेऽस्मिन्मधुसूदन ॥

गी. २५

[illegible]
[illegible] ॥१॥ श्रीभगवानुवाच॥
[illegible]
[illegible] ॥ [illegible]
[illegible] ॥२॥ [illegible]
[illegible] ॥ [illegible]
[illegible]
॥ [illegible]
[illegible] ॥ [illegible]
[illegible] ॥५॥ [illegible]
[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

गी. २७

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

पुरुषः स परः पार्थ भक्त्या लभ्यस्त्वन
न्यया ॥ यस्यान्तःस्थानि भूतानि येन
सर्वमिदं ततम् ॥२२॥ यत्र काले त्वना
वृत्तिमावृत्तिं चैव योगिनः ॥ प्रया
ता यान्ति तं कालं वक्ष्यामि भरतर्ष
भ ॥२३॥ अग्निर्ज्योतिरहः शुक्लः
षण्मासा उत्तरायणम् ॥ तत्र प्रया
ता गच्छन्ति ब्रह्म ब्रह्मविदो जनाः
गी॰ २३ ॥२४॥ धूमो रात्रिस्तथा कृष्णः षण्मा
सा दक्षिणायनम् ॥ तत्र चान्द्रमसं
ज्योतिर्योगी प्राप्य निवर्तते ॥२५॥

[illegible]

श्री



गी. ४७

…गो नाम…ध्यायः ॥३॥

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

[illegible]

[illegible]

𑆩𑆾𑆔𑆑𑆫𑇀𑆩𑆳𑆟𑆾𑆩𑆾𑆔𑆘𑇀𑆚𑆳𑆤𑆳𑆮𑆴𑆖𑆼𑆠𑆱𑆂
𑆫𑆳𑆑𑇀𑆰𑆱𑆵𑆩𑆳𑆱𑆶𑆫𑆵𑆁𑆖𑆽𑆮𑆥𑇀𑆫𑆑𑆸𑆠𑆴𑆁𑆩𑆾𑆲𑆴
𑆤𑆵𑆁𑆯𑇀𑆫𑆴𑆠𑆳𑆂𑇆𑇑𑇒𑇆𑆩𑆲𑆳𑆠𑇀𑆩𑆳𑆤𑆱𑇀𑆠𑆶𑆩𑆳𑆁
𑆥𑆳𑆫𑇀𑆡𑆢𑆽𑆮𑆵𑆁𑆥𑇀𑆫𑆑𑆸𑆠𑆴𑆩𑆳𑆯𑇀𑆫𑆴𑆠𑆳𑆂𑇆𑆨
𑆘𑆤𑇀𑆠𑇀𑆪𑆤𑆤𑇀𑆪𑆩𑆤𑆱𑆾𑆘𑇀𑆚𑆳𑆠𑇀𑆮𑆳𑆨𑆷𑆠𑆳𑆢𑆴𑆩𑆮𑇀𑆪𑆪𑆁
𑇑𑇓𑇆𑆱𑆠𑆠𑆁𑆑𑆵𑆫𑇀𑆠𑆪𑆤𑇀𑆠𑆾𑆩𑆳𑆁𑆪𑆠𑆤𑇀𑆠𑆯𑇀𑆖𑆢𑆸
𑆞𑆮𑇀𑆫𑆠𑆳𑆂𑇆𑆤𑆩𑆱𑇀𑆪𑆤𑇀𑆠𑆯𑇀𑆖𑆩𑆳𑆁𑆨𑆑𑇀𑆠𑇀𑆪𑆳
𑆤𑆴𑆠𑇀𑆪𑆪𑆶𑆑𑇀𑆠𑆳𑆇𑆥𑆳𑆱𑆠𑆼𑇆𑇑𑇔𑇆𑆘𑇀𑆚𑆳𑆤
𑆪𑆘𑇀𑆚𑆼𑆤𑆖𑆳𑆥𑇀𑆪𑆤𑇀𑆪𑆼𑆪𑆘𑆤𑇀𑆠𑆾𑆩𑆳𑆩𑆶𑆥𑆳𑆱
𑆠𑆼𑇆𑆍𑆑𑆠𑇀𑆮𑆼𑆤𑆥𑆸𑆡𑆑𑇀𑆠𑇀𑆮𑆼𑆤𑆧𑆲𑆶𑆣𑆳
𑆮𑆴𑆯𑇀𑆮𑆠𑆾𑆩𑆶𑆒𑆁𑇆𑇑𑇕𑇆𑆃𑆲𑆁𑆑𑇀𑆫𑆠𑆶𑆫𑆲𑆁

𑆓𑆵· 𑇕𑇐

यङ्कः धणदमदमेशठं ॥ म
त्रेदमदमेकाहृमदमत्रिर
देकुरं ॥ १० ॥ पित्र्यर्थेवहृल
गडमार्गणलपिरमदः ॥ वे
हंपविहमिह्कादश्रुमयङ्गे
वस ॥ ११ ॥ गारिष्टप्रकृः भ
धीविकुम्भः मारभं पत्वा ॥ धृ
ठवः धृयप्राग्निविणंठीलम
धृयं ॥ १२ ॥ तुपमृदमदवंत
नितल्लधृहृदमिमा ॥ मृमङ्गं
मेवमष्टसमसमक्षीदमष्टव

।।१९।। त्रैविद्या मां सोमपाः पूत
पापा यज्ञैरिष्ट्वा स्वर्गतिं प्रार्थय
न्ते ।। ते पुण्यमासाद्य सुरेन्द्रलोक
मश्नन्ति दिव्यान्दिवि देवभोगान् ।
२०।। ते तं भुक्त्वा स्वर्गलोकं विशा
लं क्षीणे पुण्ये मर्त्यलोकं विशन्ति
एवं त्रयीधर्ममनुप्रपन्ना गतागता
ङ्कामकामा लभन्ते ।।२१।। अन
गी· ५३ न्याश्चिन्तयन्तो मां ये जनाः पर्युपा
सते ।। तेषां नित्याभियुक्तानां यो
गक्षेमं वहाम्यहं ।।२२।। येप्यन्य

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

[illegible]

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

मां नमस्कुरु ॥ मामेवैष्यसि युक्त्वै
वमात्मानं मत्परायणः ॥ ३४ ॥
ॐ इति श्रीभगवद्गीतासूपनिषत्सु
ब्रह्मविद्यायां योगशास्त्रे श्री
कृष्णार्जुनसंवादे राजविद्या
राजगुह्ययोगो नाम नवमोऽध्या
यः ॥ ९ ॥ श्रीभगवानुवाच ॥ भू
य एव महाबाहो शृणु मे परमं
वचः ॥ यत्तेऽहं प्रीयमाणाय वक्ष्या
मि हितकाम्यया ॥ १ ॥ न मे वि
दुः सुरगणाः प्रभवं न महर्षयः

गी० ५२

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
गी. ५५ [illegible]
[illegible]
[illegible]

[illegible]

[illegible]

द्युः कश्यपस्तु त्रिजिष्णुर्जगत्पा
लिभिमन्युभ ॥ ८ ॥ श्रीभगवानुवा
च ॥ पवित्रं कश्यपि ऋषिभिर्मु
नयो विक्रमाख्यः ॥ भगवान्सुरः क
मुष्यावर्तविध्वस्तमे ॥ ९ ॥ अ
दर्शनं स्तुतिकेशवचक्रपाण्य
द्भिः ॥ मदर्थं धिष्ठितं यस्तु
नामस्तपवन ॥ १० ॥ यद्विराम
तं विष्णुरैरिंगविंशभगवां ॥
भगीरथकृष्णाभिमन्युरामभ
दंसमी ॥ ११ ॥ वेदान्तं भगवद्

स्मि देवानामस्मि वासवः ॥ इन्द्रि
याणां मनश्चास्मि भूतानामस्मि चेत
ना ॥२२॥ रुद्राणां शंकरश्चास्मि वि
त्तेशो यक्षरक्षसाम् ॥ वसूनां पावक
श्चास्मि मेरुः शिखरिणामहम् ॥
२३॥ पुरोधसां च मुख्यं मां विद्धि पा
र्थ बृहस्पतिम् ॥ सेनानीनामहं स्कन्दः
सरसामस्मि सागरः ॥२४॥ महर्
षीणां भृगुरहं गिरामस्म्येकमक्ष
रम् ॥ यज्ञानां जपयज्ञोऽस्मि स्थाव
राणां हिमालयः ॥२५॥ अश्वत्थः

गी. ५१

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

[illegible]

[illegible]

विगतो मम ॥१॥ भवाप्ययौ हि भू
तानां श्रुतौ विस्तरशो मया ॥ त्वत्तः क
मलपत्राक्ष माहात्म्यमपि चाव्ययं
॥२॥ एवमेतद्यथात्थ त्वमात्मानं प
रमेश्वर ॥ द्रष्टुमिच्छामि ते रूपमैश्व
रं पुरुषोत्तम ॥३॥ मन्यसे यदि त
च्छक्यं मया द्रष्टुमिति प्रभो ॥ योगे
श्वर ततो मे त्वं दर्शयात्मानमव्ययं ॥४॥
श्रीभगवानुवाच ॥ पश्य मे पार्थ
रूपाणि शतशोऽथ सहस्रशः ॥ नाना
विधानि दिव्यानि नानावर्णाकृतीनि

गी.

[illegible] ॥

[illegible]

[illegible] ॥ [illegible]

[illegible] ॥१०॥ [illegible]

[illegible] ॥ [illegible]

[illegible]

[illegible] ॥११॥ [illegible]

[illegible] ॥ [illegible]

गी॰ १० [illegible]

[illegible] ॥१३॥ [illegible]

[illegible] ॥ [illegible]

[illegible]

स्त्रविष्णुरूपमां ॥१८॥ किरीटिने
गदिने चक्रिणे [illegible]
[illegible] ॥ [illegible]
[illegible]
मा ॥१९॥ [illegible]
[illegible] ॥ [illegible]:
[illegible]
[illegible] ॥२०॥ [illegible]
[illegible] ॥ प
[illegible]
[illegible] ॥२१॥ [illegible]

गी॰ ७४

[illegible]

ड्रुं भगवते रुद्राय नमो भगवते
रुद्राय रूपाय ॥ रुद्राय रूपं प्र
कालं मृत्युलिङ्गं पशुपतिं प्र
णमामि ॥१३॥ नमः परमेशं नी
भवे कवलं द्वारं नन्दीश विशाल
नेत्रं ॥ मन्दु दिव्यं पशुपतिं प्रणम
ङ्गं ध्यानं विश्वं भिम भंगा विभ्रुः
१४ ॥ मृत्युकालाग्नि रुद्र भाव
नि मृत्युं कालानलं भस्म विभा
नि मेघ नेत्रं लोचनं नमः पुभी
महेशं गङ्गाधर विश्वं भ ॥१५॥ म

गी॰
१३

[illegible]

लन्ति ॥ २८ ॥ यथा प्रदीप्तं ज्वलनं
पतङ्गा विशन्ति नाशाय समृद्धवे
गाः ॥ तथैव नाशाय विशन्ति लोका
स्तवापि वक्त्राणि समृद्धवेगाः ॥
२९ ॥ लेलिह्यसे ग्रसमानः सम
न्ताल्लोकान्समग्रान्वदनैर्ज्वलद्भिः
तेजोभिरापूर्य जगत्समग्रं भास
स्तवोग्राः प्रतपन्ति विष्णो ॥ ३० ॥ आख्या
गी. ७८ हि मे को भवानुग्ररूपो नमोऽस्तु ते दे
ववर प्रसीद ॥ विज्ञातुमिच्छामि भव
न्तमाद्यं न हि प्रजानामि तव प्रवृ

𑆠𑇀𑆠𑆴𑆩𑇀𑇆𑇓𑇐𑇆𑆯𑇀𑆫𑆵𑆨𑆓𑆮𑆳𑆤𑆶𑆮𑆳𑆖𑇆
𑆑𑆳𑆬𑆾𑆱𑇀𑆩𑆴𑆬𑆾𑆑𑆑𑇀𑆰𑆪𑆑𑆸𑆠𑇀𑆥𑇀𑆫𑆮𑆸𑆢𑇀𑆣𑆾𑆬𑆾𑆑𑆳𑆁
𑆱𑆩𑆳𑆲𑆫𑇀𑆠𑆶𑆩𑆴𑆲𑆥𑇀𑆫𑆮𑆸𑆠𑇀𑆠𑆂𑇆𑆉𑆠𑆼𑆥𑆴𑆠𑇀𑆮𑆳𑆁
𑆤𑆨𑆮𑆴𑆰𑇀𑆪𑆤𑇀𑆠𑆴𑆱𑆫𑇀𑆮𑆼𑆪𑆼𑆮𑆱𑇀𑆡𑆴𑆠𑆳𑆂𑆥𑇀𑆫𑆠𑇀𑆪𑆤𑆵𑆑𑆼
𑆰𑆶𑆪𑆾𑆣𑆳𑆂𑇆𑇓𑇑𑇆𑆠𑆱𑇀𑆩𑆳𑆠𑇀𑆠𑇀𑆮𑆩𑆶𑆠𑇀𑆠𑆴
𑆰𑇀𑆜𑆪𑆯𑆾𑆬𑆨𑆱𑇀𑆮𑆘𑆴𑆠𑇀𑆮𑆳𑆯𑆠𑇀𑆫𑆷𑆤𑇀𑆨𑆶𑆕𑇀𑆑𑇀𑆰𑇀𑆮𑆫𑆳𑆘𑇀𑆪𑆁𑆱𑆩𑆸
𑆢𑇀𑆣𑆁𑇆𑆩𑆪𑆽𑆮𑆽𑆠𑆼𑆤𑆴𑆲𑆠𑆳𑆂𑆥𑆷𑆫𑇀𑆮
𑆩𑆼𑆮𑆤𑆴𑆩𑆴𑆠𑇀𑆠𑆩𑆳𑆠𑇀𑆫𑆁𑆨𑆮𑆱𑆮𑇀𑆪𑆱𑆳𑆖𑆴
𑆤𑇀𑇆𑇓𑇒𑇆𑆢𑇀𑆫𑆾𑆟𑆁𑆖𑆨𑆵𑆰𑇀𑆩𑆁𑆖𑆘𑆪𑆢𑇀𑆫𑆡𑆁𑆖
𑆑𑆫𑇀𑆟𑆁𑆠𑆡𑆳𑆤𑇀𑆪𑆳𑆤𑆥𑆴𑆪𑆾𑆣𑆮𑆵
𑆫𑆳𑆤𑇀𑇆𑆩𑆪𑆳𑆲𑆠𑆳𑆁𑆱𑇀𑆠𑇀𑆮𑆁𑆘𑆲𑆴𑆩𑆳𑆮𑇀𑆪

[illegible]

गी-
३४

जगन्निवास त्वमक्षरं सद
सत्तत्परं यत् ॥३७॥ त्वमादिदेव
ः पुरुषः पुराणस्त्वमस्य विश्वस्य प
रं निधानं ॥ वेत्तासि वेद्यं च परं च
धाम त्वया ततं विश्वमनन्तरूप ॥३
८॥ वायुर्यमोऽग्निर्वरुणः शश
ाङ्कः प्रजापतिस्त्वं प्रपितामहश्च ॥
नमो नमस्तेऽस्तु सहस्रकृत्वः पुनश्च
भूयोऽपि नमो नमस्ते ॥३९॥ नमः
पुरस्तादथ पृष्ठतस्ते नमोऽस्तु ते स
र्वत एव सर्व ॥ अनन्तवीर्यामित

युध्यस्व जेतासि रणे सपत्ना
न् ३४॥ सञ्जय उवाच॥ एतच्छ्रुत्वा वच
नं केशवस्य कृताञ्जलिर्वेपमानः कि
रीटी॥ नमस्कृत्वा भूय एवाह कृष्णं
सगद्गदं भीतभीतः प्रणम्य॥ ३५॥
अर्जुन उवाच॥ स्थाने हृषीकेश
तव प्रकीर्त्या जगत्प्रहृष्यत्यनुरज्य
ते च॥ रक्षांसि भीतानि दिशो द्रव
न्ति सर्वे नमस्यन्ति च सिद्धसङ्घाः॥
३६॥ कस्माच्च ते न नमेरन्महात्म
न्गरीयसे ब्रह्मणोऽप्यादिकर्त्रे॥ अन

गी ३५

[illegible]

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
गी. ३३ [illegible]
[illegible]
[illegible]

[illegible]

[illegible]

𑆅𑆠𑇀𑆪𑆫𑇀𑆘𑆶𑆤𑆁𑆮𑆳𑆱𑆶𑆢𑆼𑆮𑆱𑇀𑆠𑆡𑆾𑆑𑇀𑆠𑇀𑆮𑆳𑆱𑇀𑆮𑆑𑆁𑆫𑆷
𑆥𑆁𑆢𑆫𑇀𑆯𑆪𑆳𑆩𑆳𑆱𑆨𑆷𑆪𑆂𑇆𑆄𑆯𑇀𑆮𑆳𑆱
𑆪𑆳𑆩𑆳𑆱𑆖𑆨𑆵𑆠𑆩𑆼𑆤𑆁𑆨𑆷𑆠𑇀𑆮𑆳𑆥𑆶𑆤𑆂
𑆱𑆿𑆩𑇀𑆪𑆮𑆥𑆶𑆫𑇀𑆩𑆲𑆳𑆠𑇀𑆩𑆳𑇆𑇕𑇐𑇆𑆃𑆫𑇀𑆘𑆶𑆤
𑆇𑆮𑆳𑆖𑇆𑆢𑆸𑆰𑇀𑆛𑇀𑆮𑆼𑆢𑆁𑆩𑆳𑆤𑆶𑆰𑆁𑆫𑆷𑆥𑆁𑆠𑆮
𑆱𑆿𑆩𑇀𑆪𑆁𑆘𑆤𑆳𑆫𑇀𑆢𑆤𑇆𑆅𑆢𑆳𑆤𑆵𑆩𑆱𑇀𑆩𑆴
𑆱𑆁𑆮𑆸𑆠𑇀𑆠𑆂𑆱𑆖𑆼𑆠𑆳𑆂𑆥𑇀𑆫𑆑𑆸𑆠𑆴𑆁𑆓𑆠𑆂𑇆𑇕𑇑
𑆯𑇀𑆫𑆵𑆨𑆓𑆮𑆳𑆤𑆶𑆮𑆳𑆖𑇆𑆱𑆶𑆢𑆶𑆫𑇀𑆢𑆫𑇀𑆯
𑆩𑆴𑆢𑆁𑆫𑆷𑆥𑆁𑆢𑆸𑆰𑇀𑆛𑆮𑆳𑆤𑆱𑆴𑆪𑆤𑇀𑆩𑆩
𑆢𑆼𑆮𑆳𑆃𑆥𑇀𑆪𑆱𑇀𑆪𑆫𑆷𑆥𑆱𑇀𑆪𑆤𑆴𑆠𑇀𑆪𑆁𑆢𑆫𑇀𑆯𑆤
𑆑𑆳𑆕𑇀𑆑𑇀𑆰𑆴𑆟𑆂𑇆𑇕𑇒𑇆𑆤𑆳𑆲𑆁𑆮𑆼𑆢𑆽𑆫𑇀𑆤𑆠

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
गी. ११ [illegible]
[illegible]
[illegible]

𑆱𑆲 𑆥𑆂 𑇆𑇑𑇑𑇆 𑆱𑆶𑆑𑆸𑆠𑆮𑆫𑇀𑆓𑆂 𑇆
𑆯𑆴𑆮𑆁𑆨𑆮𑆠𑆶𑆪𑆶𑆑𑇀𑆠𑆳𑆪𑆗𑇀𑆚𑆳𑆤𑆁𑆥𑆢𑇀𑆩𑆳
𑆥𑆳𑆩𑆠𑆼 𑇆 𑆪𑆼𑆤𑆥𑇀𑆫𑆑𑆳𑆯𑆩𑆲𑆁𑆠𑆼𑆰𑆶𑆠𑆁
𑆪𑆼𑆤𑆳𑆠𑇀𑆫𑆨𑆳𑆂 𑇆𑇑𑇐𑇆 𑆯𑇀𑆫𑆵𑆑𑆟𑇀𑆜𑆮𑆫𑇀𑆓
𑆂 𑇆 𑆩𑆲𑆳𑆢𑆼𑆮𑆱𑇀𑆠𑆶𑆩𑆠𑆼𑆪𑆼𑆤𑆠𑆁𑆤𑆴𑆫𑆶𑆥𑆩
𑆠𑆥𑆳𑆩𑆠𑆼 𑇆 𑆱𑆶𑆒𑆢𑆳𑆪𑆳𑆥𑆳𑆪𑆼𑆪𑆁𑆥𑆢𑇀𑆩𑆁
𑆪𑆶𑆑𑇀𑆠𑆨𑆳𑆩𑆠𑆂 𑇆𑇓𑇆 𑆪𑆼𑆤𑆱𑇀𑆮𑆪𑆁𑆨𑆮𑆠𑆴
𑆩𑆴𑆱𑇀𑆠𑇀𑆫𑆩𑆲𑆠𑇀𑆠𑇀𑆮𑆁𑆥𑆢𑇀𑆩𑆥𑆳𑆩𑆠𑆼 𑇆 𑆩𑆫𑆶𑆢𑆳
𑆓𑆩𑆩𑆴𑆠𑇀𑆫𑆁𑆱𑆑𑇀𑆠𑆁𑆓𑆶𑆫𑆶𑆁𑆩𑆬𑆩𑇀𑆧𑆁
𑆁 𑇆 𑆨𑆮𑆴𑆠𑆮𑇀𑆪𑆼𑆢𑇀𑆮𑆴𑆥𑆪𑆯𑆶𑆨𑆁𑆨𑆮𑆫
𑆩𑆩𑆮𑆱𑇀𑆠𑆶𑆥𑆂 𑇆 𑆠𑆶𑆨𑇀𑆪𑆁𑆮𑆫𑇀𑆠𑆴𑆨𑆳𑆨𑆮

गी १७

[illegible]

[illegible]

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

गी

नेमास्तुतः ॥ भवाम्भुपतिहा
गीर्विभङ्क्त्रभ्रमैरियः ॥ ९ ॥
यिनकृधूतिर्नेद्वित्तमैरादिक्षं
स्कन्दि ॥ सुकृताष्टपतिप्रणीत
त्रिभावृभ्रमैरियः ॥ १० ॥ अ
भःमहेश्वभिरूपस्तु बभागपम
नयः ॥ मीदि सुभापद्मखभम
:अङ्गविवल्लिदः ॥ ११ ॥ उल्ला
सित्रास्तु दिद्दिवीमकुद्धयेनकै
नमिते ॥ भनिकेदः क्रिमभद्वि
त्रिभाक्तियिनद्रः ॥ १२ ॥ यडु

[illegible]

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

[illegible]

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

[illegible]

[illegible]

तृत्वे हेतुरुच्यते ॥ २१ ॥ पुरुषः प्रकृ
तिस्थो हि भुङ्क्ते प्रकृतिजान्गुणान्
कारणं गुणसङ्गोऽस्य सदसद्योनि
जन्मसु ॥ २२ ॥ उपद्रष्टानुमन्ता
च भर्ता भोक्ता महेश्वरः ॥ परमात्मेति
चाप्युक्तो देहेऽस्मिन्पुरुषः परः ॥
२३ ॥ य एवं वेत्ति पुरुषं प्रकृतिं च
गुणैः सह ॥ सर्वथा वर्तमानोऽपि
न स भूयोऽभिजायते ॥ २४ ॥ ध्याने
नात्मनि पश्यन्ति केचिदात्मानमात्मना
अन्ये सांख्येन योगेन कर्मयोगेन चापरे

गी. १२

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

प्रकृतैव च कर्माणि क्रियमाणानि स
र्वशः ॥ यः पश्यति तथात्मानमकर्तारं स
पश्यति ॥ २९ ॥ यदा भूतपृथग्भावमे
कस्थमनुपश्यति ॥ तत एव च विस्तारं
ब्रह्म सम्पद्यते तदा ॥ ३० ॥ अनादि
त्वान्निर्गुणत्वात्परमात्मायमव्ययः ॥ श
रीरस्थोऽपि कौन्तेय न करोति न लिप्यते
गी. ७५ ३१ ॥ यथा सर्वगतं सौक्ष्म्यादाकाशं
नोपलिप्यते ॥ सर्वत्रावस्थितो देहे
तथात्मा नोपलिप्यते ॥ ३२ ॥ यथा प्र
काशयत्येकः कृत्स्नं लोकमिमं रविः

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

[illegible]

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

र्ध्वं मध्ये तिष्ठन्ति राजसाः ।। ज
घन्यगुणवृत्तिस्था अधो गच्छन्ति
तामसाः ।। १८ ।। नाहं गुणेभ्यः क
र्तारं यदा द्रष्टोपपश्यति ।। गुणे
भ्यश्च परं वेत्ति मद्भावं सोऽधिगच्छति ।।
१९ ।। गुणानेतानतीत्य त्रीन्देही देहस
मुद्भवान् ।। जन्ममृत्युजरा
दुःखैर्विमुक्तोऽमृतमश्नुते ।। २० ।।
अर्जुन उवाच ।। कैर्लिङ्गैस्त्रीन्
गुणानेतानतीतो भवति प्रभो ।। किमा
चारः कथं चैतांस्त्रीन्गुणानतिव

गी. १३

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

𑆯𑇀𑆫𑆵𑆨𑆓𑆮𑆳𑆤𑆶𑆮𑆳𑆖 𑇆 𑆈𑆫𑇀𑆣𑇀𑆮𑆩𑆷𑆬
𑆩𑆣𑆂𑆯𑆳𑆒𑆩𑆯𑇀𑆮𑆠𑇀𑆡𑆁𑆥𑇀𑆫𑆳𑆲𑆶𑆫𑆮𑇀𑆪𑆪𑆁 𑇆 𑆗
𑆤𑇀𑆢𑆳𑆁𑆱𑆴𑆪𑆱𑇀𑆪𑆥𑆫𑇀𑆟𑆳𑆤𑆴𑆪𑆱𑇀𑆠𑆁𑆮𑆼𑆢𑆱𑆮𑆼
𑆢𑆮𑆴𑆠𑇀 𑇆 𑇑 𑇆 𑆃𑆣𑆯𑇀𑆖𑆾𑆫𑇀𑆣𑇀𑆮𑆁𑆥𑇀𑆫𑆱𑆸𑆠𑆳𑆱𑇀𑆠𑆱𑇀𑆪𑆯𑆳
𑆒𑆳𑆓𑆶𑆟𑆥𑇀𑆫𑆮𑆸𑆢𑇀𑆣𑆳𑆮𑆴𑆰𑆪𑆥𑇀𑆫𑆮𑆳
𑆬𑆳𑆂 𑇆 𑆃𑆣𑆯𑇀𑆖𑆩𑆷𑆬𑆳𑆤𑇀𑆪𑆤𑆶𑆱𑆁𑆠𑆠𑆳𑆤𑆴
𑆑𑆫𑇀𑆩𑆳𑆤𑆶𑆧𑆤𑇀𑆣𑆵𑆤𑆴𑆩𑆤𑆶𑆰𑇀𑆪𑆬𑆾𑆑𑆼 𑇆 𑇒 𑇆
𑆤𑆫𑆷𑆥𑆩𑆱𑇀𑆪𑆼𑆲𑆠𑆡𑆾𑆥𑆬𑆨𑇀𑆪𑆠𑆼𑆤𑆳𑆤𑇀𑆠𑆾𑆤
𑆖𑆳𑆢𑆴𑆫𑇀𑆤𑆖𑆱𑆁𑆥𑇀𑆫𑆠𑆴𑆰𑇀𑆜𑆳 𑇆 𑆃𑆯𑇀𑆮𑆠𑇀𑆡𑆩𑆼
𑆤𑆁𑆱𑆶𑆮𑆴𑆫𑆷𑆞𑆩𑆷𑆬𑆩𑆱𑆕𑇀𑆓𑆯𑆱𑇀𑆠𑇀𑆫𑆼𑆟𑆢𑆸𑆞𑆼
𑆤𑆗𑆴𑆠𑇀𑆮𑆳 𑇆 𑇓 𑇆 𑆠𑆠𑆂𑆥𑆢𑆁𑆠𑆠𑇀𑆥𑆫𑆴𑆩𑆳

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible] ॥
[illegible]
[illegible] ॥
[illegible] ॥ ४७ ॥ इति श्री
मद्भगवद्गीतासूपनिषत्सु [illegible]
[illegible]
[illegible] नाम [illegible]
[illegible] ः ॥ ६ ॥ श्रीभगवानुवा
च ॥ मय्यासक्तमनाः पार्थ योग
[illegible] ः ॥ [illegible]
[illegible] ॥ १ ॥ [illegible]

गी॰ ३९

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

ओं ब्रह्मे शिरसि न्यासः ।। ब्रह्मणः प्र
वः सूर्य(?)श्चैवा(?)ति परमां गतिम् ।। १
१ ।। यः साधुर्विधिभक्तश्च सर्वत्रैक
भक्तः सदा ।। न भविष्यति मव्यापि(?)
स याति परमां गतिम् ।। ७६ ।। अध्यक्ष(?)
भूयमा...ऽक्षर(?)दर्शकं(?)
...साधुविधि...
भिद(?)...ति ।। ७७ ।। ॐ तत्सदिति श्रीमद्भगव
द्गीतासूपनिषत्सु ब्रह्मविद्यायां योग
शास्त्रे श्रीकृष्णार्जुनसंवादे
वा(?)...भीष्मपर्वणि द्विचत्वारिंशोऽध्यायः

गी. ५५

[illegible]

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

दत्तात्रेयदत्तमाङ्गल्यप्रियाः ॥ ३ ॥

कल्पवृक्षलवाङ्गतरुश्रीवृक्षदावि

मादिः ॥ शुभदायकप्रभवेश्व

रसोमकामभयप्रदः ॥ ७ ॥ याऽ

याभिमानयोगंभक्तिप्रदाधिष्ठाता

उर्ध्वमुखप्रियाभक्तैकवन्दितम

भक्तप्रियो ॥ ८ ॥ मङ्गलकर्त्ता

र्त्तिर्हलिविधिमार्गप्रपञ्चकृत् ॥ स

र्वदो वेदविभवः भवानीप्रियम

ङ्गिकः ॥ ९ ॥ सर्वसिद्धिप्रदायक

लक्ष्मीप्रियसिद्धिवरदाता ॥ सर्वेशः

ठा॥ तेषु उपयुक्तं विद्धिगाल्पमा
०॥ विविदीनभ थुत्रंभत्रदी
नभमद्धि॥ मञ्जुविरादिंउया
ह्मुसभमंपगिमकदु॥०३॥ देव
ह्मिल्गुकभुक्षुपुर्वंमीयभ
ल्लवभा॥ कृत्ससदभदिंभायम
मीं ३ पउहृदु॥ ००॥ पुरुहेगक
रंवाह्नंभहेश्रियाकिंउमयउ॥ स्त्र
गी· ३१ ह्रायाद्रुभरंदेववाद्गुयंउपउह
दु॥०४॥ भवः॥ मनाथः॥ मो भुद्गं मि
नभाद्गविविनियुद्दः॥ काचवभंउद्धि

[illegible]

[illegible]

[illegible] ॥ [illegible]
[illegible]
[illegible] ॥ ३५ ॥ [illegible]
[illegible] ॥ [illegible]
[illegible] ॥ [illegible]
[illegible]
[illegible] ॥ [illegible]
[illegible] ॥ ३७ ॥ [illegible]
[illegible] ॥ [illegible]
[illegible] ॥ [illegible] ॥ [illegible]
इति श्रीभगवद्गीतासूपनिषत्सु ब्र

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

[illegible]

[illegible]

गी. ७०

[illegible]

[illegible]

[illegible]

𑆉𑆢𑇀𑆣𑆴𑆂 𑆄𑆥𑆳𑆑𑆶𑆫𑆳𑆬𑇀𑆩𑆵 𑇆𑇘𑇐𑇆
𑆩𑆟𑇀𑆝𑆬𑆩𑆴𑆠𑆴𑆪𑆳𑆨𑆉𑆰𑆵𑆝𑆩
𑆨𑆮𑆳𑆝𑆳 𑇆 𑆃𑆮𑆳𑆘𑆳𑆮𑆴𑆥𑆰𑆵𑆝𑆑𑇀𑆰
𑆉𑆢𑇀𑆣𑆴𑆂 𑆄𑆥𑆳𑆑𑆶𑆝𑆳𑆨𑆰𑆵 𑇆𑇘𑇑𑇆
𑆥𑆁𑆑𑆪𑆪𑆳𑆟𑆓𑆪𑆝𑆼𑆨𑆫𑆂𑆥𑆷𑆬
𑆑𑇀𑆰𑆴𑆪𑆑𑇀𑆫𑆴𑆪𑆳𑆂 𑇆 𑆮𑆴𑆓𑆼𑆠𑇀𑆫𑆳𑆲𑆳𑆑𑆴𑆩𑆳
𑆮𑆴𑆰𑇀𑆟𑆶𑆥𑆝𑆴𑆂 𑆄𑆥𑆳𑆑𑆶𑆩𑆳𑆢𑇀𑆣𑆴𑆑𑆵
𑇘𑇒𑇆 𑆪𑆪𑆳𑆝𑆶𑆥𑆢𑆑𑆨𑆳𑆘𑇀𑆚𑆳𑆢𑇀𑆮
𑆲𑆟𑆳𑆨𑆪𑆝𑆼𑆬𑇀𑆬𑆤 𑇆 𑆯𑇀𑆫𑆶𑆨𑆑𑇀𑆫𑆼𑆤𑆢
𑆬𑆳𑆑𑆢𑇀𑆢𑆵𑆥𑆝𑆴𑆂 𑆄𑆥𑆳𑆑𑆶𑆫𑆳𑆬𑇀
𑆩𑆵 𑇆𑇘𑇓𑇆 𑆪𑆪𑆳𑆯𑇀𑆮𑆨𑇀𑆫𑆁𑆑𑆪𑆩𑆼𑆑𑆁

𑆤𑆵 𑇙𑇓

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

[illegible]

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

गी. ७५

स्वभावनियतं कर्म कुर्वन्नाप्नोति
किल्बिषम् ॥४७॥ सहजं कर्म
कौन्तेय सदोषमपि न त्यजेत् ॥
सर्वारम्भा हि दोषेण धूमेनाग्नि
रिवावृताः ॥४८॥ असक्तबुद्धिः स
र्वत्र जितात्मा विगतस्पृहः ॥ नै
ष्कर्म्यसिद्धिं परमां संन्यासेनाधि
गच्छति ॥४९॥ सिद्धिं प्राप्तो यथा
ब्रह्म तथाप्नोति निबोध मे ॥ समा
सेनैव कौन्तेय निष्ठा ज्ञानस्य या प
रा ॥५०॥ बुद्ध्या विशुद्धया युक्तो

[illegible]
[illegible]
[illegible] ॥𑇕𑇐॥ [illegible]
[illegible]
[illegible]
𑇕𑇑॥ [illegible]
[illegible] ॥ [illegible]
[illegible] ॥ 𑇕𑇒
[illegible]
[illegible] ॥ [illegible]
[illegible] ॥ 𑇕𑇓 ॥

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

[illegible]
[illegible]
[illegible] ॥ १४ ॥ [illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible] ॥ १३ ॥ [illegible]
[illegible]
[illegible]
गी· ७१ [illegible] ॥
१३ ॥ [illegible] ॥ [illegible]
[illegible] ॥

[illegible]

𑆯𑆶𑆨𑆩𑆱𑇀𑆠𑆶 𑆱𑆫𑇀𑆮𑆘𑆓𑆠𑆳𑆩𑇀 ॥ [illegible]

𑆯𑇀𑆫𑆵𑆑𑆸𑆰𑇀𑆟𑆳𑆪 𑆤𑆩𑆾 𑆤𑆩𑆂 [illegible]

[illegible] ॥ ॥



[illegible]

[illegible]

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

[illegible]

गी अ ३

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

मृते ॥ ३१ श्रीभगवानुवाच
ऐकारविषयमेवमप्रवृत्त
नेत्रिके निरालम्बऽऽकृतव
द्वमैलयंगाउ निरालम्बेप
दिपुमिते विद्ल तुंगाते ॥
निवते क्रियाभव यमुंवे
म अवेमविउ ॥ मलतव
म ॥ लीवेलीवत्रिलीवेरर
भ्रुलीवभलीविंते ॥ निनत्म
नभझेरमलीवः केरलीव
ति ॥ श्रीभगवानुवाच ॥ भ

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

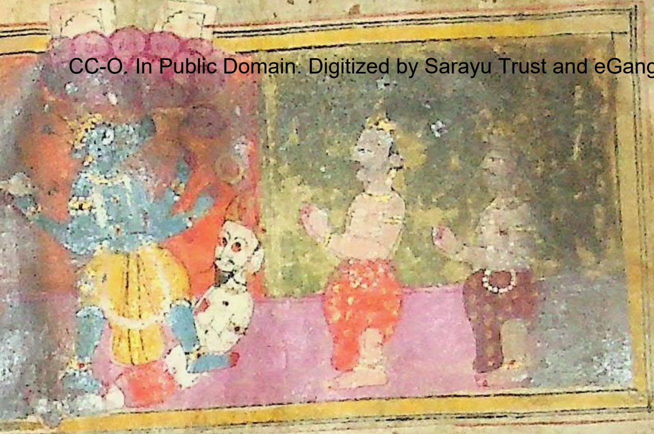
[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]







[illegible]



[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

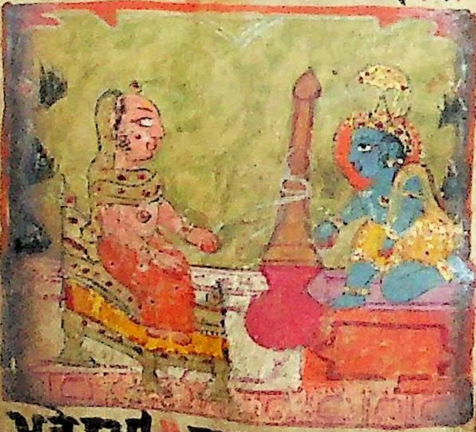
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

[illegible]

त्रैलोक्यं निगमसमदितं कृ
मस्त्रषष्ठकैवं ॥ पुनः कथे
यं त्रिसप्तसूत्रविवर्ण
मज्ञा ॥ ७ ॥ इति श्रीच
तुर्थकं सप्तमा ॥ त्रिसूत्रा
श्रीभक्तचन्द्रमालालिख्यते ॥
ॐ वन्दे भक्तचन्द्रमगविन्द
लघवन्दं ॥ भक्तेश्वसन्न
सर्वंमित्रगोपदेशमा ॥ कृ
ष्टिदेवगन्धवन्दितपदकी
तं ॥ भक्तवन्दनलघवंदस्व
देवस्त्रवमा ॥ ० ॥ लघवन्दना

[illegible]

[illegible]
[illegible]
[illegible]



[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

[illegible]

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible] ॥ ३० ॥ [illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible] ॥ ३१ ॥ [illegible]
[illegible] ॥

[illegible]

[illegible] ॥ [illegible] ॥ ७ ॥ [illegible] ॥



[illegible] ॥ १ ॥ [illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

॥ ॐ वृषभदेवः परंब्रह्म परमा
त्मा परात्परः ॥ परंज्योतिः परंदे
व परंतत्त्वं परंपदं ॥ २ ॥ परः
शिवः परो देवः परंज्ञानं पर
गतिः ॥ परमार्थः परंश्रेयः
परानन्दः परोदयः ॥ ३ ॥ प
रोव्यक्तः परंधाम परमात्मा पर
मेश्वरः ॥ निरामयो निर्विक
ल्पो निर्विकल्पो निराश्रयः ॥
४ ॥ निरञ्जनो निरानन्दो नि
र्लेपो निरवग्रहः ॥ निर्मलो नि
ष्कलो नित्यो निर्गुणो निर्मलो

ॐ ॥ २३ ॥ भवानीह्रींश्रीभैरवी
वीमेनीदेवीश्वेदय ॥ भवघ्ना
भवरूपा भवा भवदा भवरू
पा ॥ २४ ॥ भवमाभुभवा
भकीपदा भवभूभवदा
का ॥ भवमाजिभवप्रभा
वश्च भवहैमाप ॥ २५ ॥ भ
वपाशा भवरूपा भवप्रिया
भवप्रदा पदा ॥ भवस्था भव
रूढा भवकान्ता कर्ता ॥
२६ ॥ भवतिमासिका भव
मूढा भवेश्वरेश्वरा ॥ षट्त्रिं

𑆥𑆼𑆠𑆫𑆂 ॥ 𑇗𑇓 ॥ 𑆩𑆚𑇀𑆪𑆼 𑆥𑆴𑆠𑇀𑆫𑇀𑆩𑆢𑆼𑆮𑇀
𑆥𑆴𑆠𑇀𑆫𑇀𑆩𑆤𑇀𑆳𑆤𑇀𑆥𑆴𑆠𑆫𑆂 ॥ 𑆩𑆮𑆼
𑆮𑆴𑆪𑆂 𑆩𑆮𑆼𑆮𑆩𑆴𑆠𑇀𑆫𑆠𑆩𑆂
𑆩𑆮𑆼𑆮𑆼𑆑𑆩𑆳𑆁 𑆩𑆮𑆼𑆮𑆼 ।
𑆑𑆼𑆮𑆠𑆁 ॥ 𑆥𑆤𑇀𑆑𑆤𑇀𑆢𑆤
𑆢𑆥𑆤𑇀𑆩𑆼𑆥𑆤𑇀𑆢𑆮𑆫𑆂 ॥ 𑇗𑇔 ॥
𑆥𑆤𑇀𑆠𑆥𑆤𑇀𑆩𑆮𑆩
𑆬𑆵𑆢𑇀𑆫𑆴𑆥𑇀𑆫𑆴𑆪𑆁 ॥ 𑆢𑇀𑆫𑆴𑆑𑆩
𑆤𑆼𑆮𑆴𑆫𑇀𑆬𑆼𑆮𑆼𑆁𑆠𑆑𑆂
॥ 𑆩𑆮𑆩𑆁𑆠𑆢𑆫𑆮𑆩𑆬𑆫
𑆤𑆥𑆬𑆑𑆂 ॥ 𑆩𑆮𑆼𑆤𑆼𑆑𑆼𑆑
𑆥𑆂 𑆩𑆥𑆬𑆼𑆑𑆼𑆑𑆩𑆤𑆂 ॥

𑇕

मधिभिर्देउनस्त्वीम
हुणश्रगादणरः॥मह्रदेव
चकीपद्मपाणिजनजव
दरः॥मविश्रेष्ठवक्षःमचक्ष
मध्वैनेक्रुपावरः॥मनु
कीर्तिः श्रीमपीयधःम
वमङ्गलः॥६७॥भद्रकेलि
प्रतीकमेघमकेलिकाम
टः॥वृक्षकेलिलगाङ्ग
वधुकेलिभदवलः॥१०॥
केलीकुलगतंलीमकु
केलिभदसरः॥ऊदेरके

वि·
न
२१

[illegible]

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

[illegible]

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

[illegible]

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

[illegible]

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible] ॥ १० ॥
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

[illegible]

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

पीठविरामनं ॥ भक्तूपुरश्च
वृषध्वजप्रदं कल्पतरु ॥ भव
ग्नूपिलवेदः भक्तमत्र
केलिभिः ॥ ३८ ॥ पुराणमपुष्प
उपः पूजपूः पवित्रपुष्प ॥ १
यपुष्पैकनरंस्त्रैकंपरंवाप
०ति विधि ॥ विष्टं मिष्टितिभवे
पुष्पविराज्जिभत विपनं ॥ नवे
नभङ्गंमहः पुष्पंभवक
पुष्प ॥ ३९ ॥ उदंकदेवपागो
पण्डपुष्पैकमिन्दुपे ॥ नवेन्द्र
वयपतहूं विकले पदत्र्य

वि॰ नं॰ [illegible]

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

[illegible]

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

13

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

[illegible]

श्रीभगवानुवाच ॥ [illegible]

[illegible]

च ३ १२

नमो भुवनैकेमहोदयायनम
प्रबल॥ नमो घ्नवरदायना
मिंदयवे नमः॥ त्रिविक्रमाय
नमाय वैकुण्ठपतये नमाय॥॥
नमो भूभृत्पतये पिक्रान्त
यदुनाथाय। नमो नृत्यभृत
पतये भूपतये नमः॥ न
मोऽकेशवाय नमः कृष्णाय न
नमः॥ श्रीकृष्णाय कृष्णाय नमो
ऽनन्तकृष्णाय॥ नमो श्रीकृष्ण
य नमः श्रीवसुदेवाय॥ न
मो सिद्धिदाय दयाय वदनमो।

[illegible]

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

[illegible]

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

ल पद्मनाभ ॥ गोविन्द दामो
दर ॥ हृषीकेश ॥ केशव भव
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

[illegible]

पद्मनाभ ॥ गोविन्द दामो
दर ॥ हृषीकेश ॥ केशव भव
[illegible] ॥ भव [illegible]
भव दुःस्वप्न [illegible] ॥ भव [illegible]
[illegible] ॥ भव रोगप्रशमन
भव [illegible] ॥ भव [illegible]
[illegible] ॥ भवादित्यप्रभ
व ॥ भव [illegible] ॥ भव [illegible]
निधान ॥ भव पापप्रशम
न [illegible] ॥ वि
[illegible] भव [illegible]
[illegible] ॥ भव [illegible]

[illegible]

[illegible]

ममहृदयं वगदयं || गे
रदयं || नमृयदयं वार
वेत || केसिहृहृकम्मे
रक्षनवितुधि || विषगर
दवमीकरण || विडुषलेश्व
रवदनुरदयं वादवेत
|| पतैः भत्रैनरहतैः सितुः
मंसिधुप्रलितैः || ठिरमेनु
ते || महदये || मनखे || मसिते ||
ममते || मपरे || मपरलिते || प
ठिसिहे || मरतिसितु || प
कश्मीतिमे || रितुतमि ||

म
पं
50

[illegible]

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

[illegible]

[illegible]

ॐ अंदेवेपवह्रामिमावण
रमनः स्वाहा ॥ सकफ्रिं ॥ हु
फ्रिं ॥ हृफ्रिं ॥ सउ फ्रिं ॥
फ्रिमभिकें ॥ फ्रिमलभिकें ॥ फ्रि
टेपकें ॥ सडें ॥ मेफ्रिं ॥
पेफ्रिं ॥ सौ उडें ॥ विपभड
ं ॥ हृफ्रिं ॥ फ्रिफ्रिं ॥ येवड
ं ॥ सक्फ्रिंडघ ॥ क्लिंग
मयडे विं हेमाग्रुचपगलि
उ ॥ घं ह्रीं दवदव ॥ कलेभ
रकनेभ ॥ गेभीणभ ॥ ७ ॥
विह्व ॥ सुलेउले ॥ भले ॥ गडे

स पं ५२

[illegible]

[illegible]

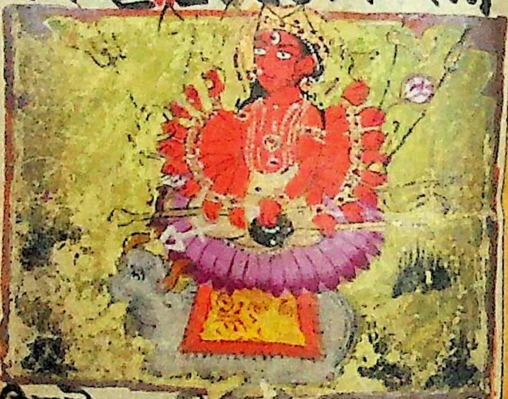
[illegible]

[illegible]

𑆠𑆮𑆴𑆰𑇀𑆟𑆶𑆁𑆱𑇀𑆮𑆥𑆼𑆠𑇆𑆟𑆴𑆢𑇀𑆫𑆂𑆱𑆼𑆩𑆤
𑆤𑆱𑆼𑆣𑆤𑆢𑆴𑆯𑆴𑆁𑆠𑆠𑆼𑆮𑆩𑇅𑆲𑆮
𑆢𑆫𑆜𑆮𑆼𑆯𑇀𑆩𑆴𑆢𑇀𑆫𑆴𑆂𑆥𑆜𑆼𑆢𑇀𑆮𑆴𑆱𑆥𑆩
𑆠𑆶𑆪𑆼𑇅𑆫𑆤𑆮𑆴𑆟𑆼𑆢𑇀𑆫𑆼𑆬𑆼𑆫𑆤𑆥𑆓
𑆠𑆶𑆥𑆼𑆠𑆼𑆫𑆩𑇆𑆤𑆲𑆶𑆱𑆼𑆩𑆼𑆫𑆫𑆼𑆫𑇀
𑆬𑆴𑆥𑆼𑆢𑇀𑆫𑆶𑆠𑆜𑆮𑆬𑆴𑇆𑆠𑆠𑆂𑆱
𑆱𑆶𑆫𑆩𑆓𑆢𑇀𑆫𑆴𑆠𑆩𑆳𑇆𑆫𑆓𑆩𑆴𑆁𑆢𑆮𑆵
𑆬𑆼𑆮𑆴𑆤𑆴𑆯𑇆𑆠𑆠𑆼𑆣𑆠𑆼𑆓𑆳𑆁𑆤𑆴
𑆱𑆠𑇆𑆠𑆠𑆂𑆥𑆫𑆣𑆮𑆴𑆲𑆶𑆣𑆳𑇆𑆱𑇀
𑆩𑆢𑇀𑆫𑆴𑆲𑆼𑆫𑆥𑆓𑆴𑆮𑆼𑆱𑆶𑇆𑆠𑆠𑆼𑆫𑆓𑆩𑆴𑆁
𑆢𑆮𑆵𑆬𑆼𑆫𑆮𑆼𑆱𑆶𑆪𑆼𑆠𑇆𑆠𑆱𑇀𑆫𑆷𑆥𑆓𑆩𑆴
𑆣𑆮𑆵𑆬𑆼𑆫𑆩𑆁𑆮𑆼𑆱𑆶𑇆𑆠𑆠𑆂𑆩𑆳𑆱𑇀𑆫

[illegible]

[illegible]
[illegible]
[illegible]



[illegible]
[illegible]
[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

[illegible]

𑆛𑆼𑆢𑆴𑆤𑆶𑆥𑆮𑆬𑆨𑆶𑆤𑆑𑆵𑆩𑆳
𑆠𑇀𑆫𑆥𑇀𑆫𑆬𑆼𑆩𑆓𑆵𑇆𑇔𑇆𑆢𑆱𑆷𑆢
𑆱𑆷𑆮𑆴𑆫𑆾𑆜𑆮𑆤𑆑𑆵𑆮𑇀𑆫𑆑𑇀𑆰𑆶
𑆜𑆑𑆽𑆛𑆓𑆵𑇆 𑆤𑆵𑆬𑆤𑆫𑆑𑆩
𑆱𑆸𑆜𑆼𑆛𑆤𑆑𑆵𑆮𑆴𑆛𑇀𑆜𑆤𑆙𑆵𑆥𑆫
𑆓𑆵𑇆 𑆯𑇀𑆫𑆵𑆮𑆴𑆢𑇀𑆪𑆼𑆩𑆩𑆤𑆂𑆥𑇀𑆫𑆜𑆾𑆛𑆫
𑆑𑆵𑆑𑆩𑆵𑆥𑆫𑆟𑆵𑆱𑆓𑆵𑇆 𑆜𑆴
𑆁𑆛𑆼𑆢𑆴𑆤𑆶𑆥𑆮𑆬𑆨𑆶𑆤𑆑𑆵
𑆩𑆳𑆠𑆶𑆠𑇀𑆫𑆥𑇀𑆫𑆬𑆼𑆩𑆓𑆵𑇆𑇕𑇆𑆱𑆠𑇀𑆫
𑆥𑇀𑆫𑆬𑆼𑆩𑆛𑆁𑆥𑇀𑆫𑆖𑆼𑆩𑆛𑇀𑆜𑆫𑆥𑆶𑆬𑆮
𑆰𑇀𑆜𑆼𑆜𑇆 𑆛𑇀𑆜𑆤𑆮𑆽𑆓𑆱𑆷𑆩𑆴𑆛𑇀𑆜𑆶𑆁𑆜𑆴
𑆁𑆛𑆼𑆢𑆴𑆩𑆥𑆖𑆓𑆵𑇆 𑆛𑇀𑆜𑆤𑆩𑆠𑇀𑆫𑆴

𑆱𑆁
𑇗𑇓

[illegible]

[illegible]

[illegible]
[illegible]
[illegible]
मा॥ अथ श्रीमातृकाकवच
स्य॥ श्रीभैरवऋषिः॥ श्रीमातृ
का भगवती देवता। [illegible]
[illegible] श्रीदेवीप्रीतये॥ [illegible]
[illegible]
विनियोगः॥ [illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

[illegible]

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

[illegible]स्तुतिः॥ श्रीगणेशाय नमः॥ ओं
नमो वाण्यै॥ दिङ्मत्तद्विपकुलम
[illegible]कं[illegible]वेशं॥ [illegible]



[illegible]कल[illegible]विन[illegible]
भा॥ [illegible]
[illegible]॥ पंचाशिका [illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

[illegible]

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

गउरःभुवः॥ मभूमीभुवना
लम्भूमनमिवनधिमनउः।
देवतालागउंणक्षीरिक्काट
पम्भेडमा। मक्तिसूर्नृकी
लंकंमकभारहिंवदेउ।
क्लैनमुमभाग्यछेमनमो
वाप्तिडभूदः॥ मभूमीठव
मी। नभमदभभुवाएभू
मीठनवाम्भदटेवतधिः॥
[illegible]ति:॥ ठगवतीठव
मीटवजा॥ मनमुपाठव॥
[illegible]

[illegible] 𑆤𑆩
[illegible] 𑆮𑆴𑆤𑆴𑆪𑆾𑆓𑆂 𑇆
𑇄 𑆲𑇀𑆫𑆵𑆁 𑆯𑇀𑆫𑆵𑆁 [illegible]
[illegible]
[illegible] 𑆲𑇀𑆫𑆵𑆁 𑆤𑆩𑆂 𑇆 [illegible]
[illegible] 𑇆 𑇄 𑆲𑇀𑆫𑆵𑆁 𑆯𑇀𑆫𑆵𑆁 [illegible]
𑆤𑆩𑆂 𑇆 [illegible]
𑆲𑆷𑆁 𑆤𑆩𑆂 𑇆 [illegible]
𑆲𑆷𑆁 𑆤𑆩𑆂 𑇆 [illegible]
[illegible] 𑆤𑆩𑆂 𑇆 [illegible]
[illegible] 𑆲𑆷𑆁 𑆤𑆩𑆂 𑇆 [illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

[illegible]

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

[illegible]

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

१ यात्रिहेवैगनिह्रुनममः
पककलंह्रिकलंवत्रिकलं
मृप्रुयग्रितः ॥ अचवद्रुःपविति
मुक्रैणवणहृअपत्रितः ॥ ३९
भ्रीवलवम्रुरःमैकरैगविव
लितः ॥ यमथ्रीकीत्रिअनूह
भुठगैलैकयलित्रा ॥ कुपवंत्रु
लमंपद्यायकवीदभपत्रितः ॥ मे
घंभिलठैविंहुविद्युलंयमु
ठंभ्रिघम ॥ अचपपविविअठै
लैकडोविवलितः ॥ विंहंव
त्रुअडणपयथुपेत्रुभदेस्वैः

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

[illegible]

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

[illegible]

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

[illegible]

[illegible]॥
[illegible]॥ श्री[illegible]
[illegible] श्रीदेवी[illegible]॥[illegible]



[illegible]र्षिः॥ [illegible] देवता॥ अ
नुष्टुप् छन्दः॥ श्रीदेवीप्री
तये॥ [illegible]॥ [illegible]

[illegible]

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

[illegible] ॥ [illegible]
[illegible] ॥
[illegible] कल्याणशो
भना ॥ रसं रूपं च गन्धं च
[illegible] ॥ स[illegible]
[illegible] के ॥
आयू रक्षतु वाराही धर्मं रक्षतु
वैष्णवी ॥ यशः कीर्तिं [illegible] लक्ष्मीं
धनं रक्षतु वैष्णवी ॥ [illegible]
[illegible] रक्षतु गोत्रं [illegible]
[illegible] ॥ [illegible] लक्ष्मी
[illegible] रक्षतु वैष्णवी ॥ [illegible]

देवी· ३४

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

𑆮𑆴𑆤𑆩𑆮𑆴𑇆𑆑𑆶𑆁𑆥𑆛𑆼𑆢𑆴𑇆𑆩𑆴𑆢𑆴𑆠𑆷𑆑𑆶
𑆥𑆫𑆴𑆠𑆼𑆃𑆖𑆩𑆠𑆷𑆮𑆴𑆤𑆩𑆴𑆮𑆴𑇆𑆑𑆶
𑆥𑆁𑆛𑆼𑆢𑆴𑇅𑆤𑆴𑆑𑆼𑆃𑆠𑆠𑆁𑆥𑆼𑆠𑆷𑆃𑆖
𑆪𑆠𑆵𑆢𑆤𑆑𑆴𑆠𑇆𑆑𑆶𑆁𑆥𑆛𑆼𑆢𑆴𑇆𑆛𑆼𑆢𑆴
𑆩𑆼𑆛𑆷𑆃𑆤𑆼𑆷𑆁𑆛𑆼𑆢𑆴𑆩𑆴𑆥𑆫𑆁𑆩𑆷𑆥𑆁𑇆
𑆑𑆶𑆁𑆥𑆛𑆼𑆢𑆴𑇆𑆮𑆴𑆟𑆼𑆢𑆴𑆮𑆴𑆰𑆠𑆁𑆤𑆩𑆁𑇅
𑆮𑆴𑆟𑆵𑆢𑆴𑆤𑆤𑆮𑆫𑆩𑆵𑇅𑆑𑆶𑆁𑆥𑆛𑆼𑆢𑆴𑇆
𑆮𑆴𑆟𑆼𑆢𑆴𑆛𑆼𑆮𑆴𑆑𑆤𑆷𑆁𑆮𑆴𑆟𑆵𑆢𑆴𑆮𑆴
𑆥𑆶𑆤𑆼𑆩𑆴𑆪𑆨𑆳𑇆𑆑𑆶𑆁𑆥𑆛𑆼𑆢𑆴𑇆𑆮𑆴𑆤𑆷
𑆮𑆠𑆷𑆁𑆣𑆩𑆃𑆠𑆷𑆁𑆤𑆑𑆵𑆮𑆠𑆷𑆁𑆬𑆫𑆼𑆠𑆷𑆁
𑆤𑇆𑆑𑆶𑆁𑆥𑆛𑆼𑆢𑆴𑇆𑆨𑆓𑆨𑆓𑆩𑆴𑆓𑆼𑆠𑆷
𑆤𑆴𑆠𑆷𑆥𑆫𑆬𑆼𑆥𑆴𑆑𑆼𑇆𑆑𑆶𑆁𑆥𑆛𑆼𑇆

𑆛𑆼𑆢𑆴
31

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

[illegible]

देवी: ३३

तेषामर्किलकैः ॥१२॥ ॥ इति श्री
कीलकस्तोत्रंसमाप्तम् ॥ ॥ ॥
अथ अर्गलास्तोत्रं लिख्यते ॥
ॐ अस्य श्रीचण्डिकास्तवस्य ॥ अर्ग
लास्तोत्रमन्त्रस्य ॥ श्रीविष्णुरृ
षिः अनुष्टुप् ॥ छन्दः श्रीमहा ॥
श्रीमहालक्ष्मीर्देवता प्रीतये ॥
ह्रीं बीजं ॥ क्लीं शक्तिः ॥ श्रीं कीलकं
नमः ॥ ॐ कीलकं न
मः ॥ मम सर्वाभीष्टसिद्ध्यर्थं ॥
मम स्वर्गं ॥ जपे विनियोगः ॥ अ
थ ध्यानं ॥ ध्यायेद्देवीं ॥

पतिभुम्नवरं॥ भकललग्नमेद
नकं। श्रीकमलभवानीप्रीतयेऽं॥
जपे विनियोगः॥ अथ करन्यासः
ॐ क्लां अङ्गुष्ठाभ्यां नमः॥ ॐ क्लीं त-
र्जनीभ्यां नमः॥ ॐ क्लूं मध्यमाभ्यां नमः
ॐ क्लैं अनामिकाभ्यां नमः॥ ॐ क्लौं क
निष्ठिकाभ्यां नमः॥ ॐ क्लः करतल
करपृष्ठाभ्यां नमः॥ अथापरेन्न
मः॥ ॐ क्लीं हृदयाय नमः॥ ॐ
गलभवानीशिरसिभद्र। अवा
क्षरं निमाणेयैवधमा॥ वरांभ
गेपंभुम्नयकवचायहुं॥ लि

ठः
गः
९ः

[illegible]

[illegible]

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

13

[illegible]

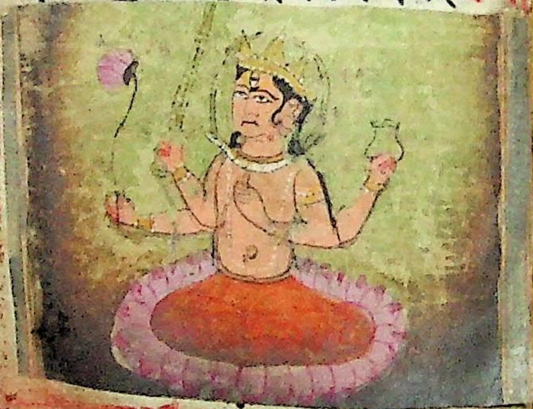
[illegible]

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

[illegible]

[illegible]
[illegible] ॥ [illegible]
[illegible]
[illegible] ॥ ७३ ॥ [illegible]
[illegible] ॥ [illegible]
[illegible] ॥ ७४ ॥
[illegible]
[illegible] ॥ यः पठे[illegible] प्रातः [illegible]
भवान्कृष्णाद्विहितः ॥ ७५ ॥ इति
[illegible] ॥
[illegible] ॥ [illegible]
[illegible] ॥ १

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible] ॥ १ ॥



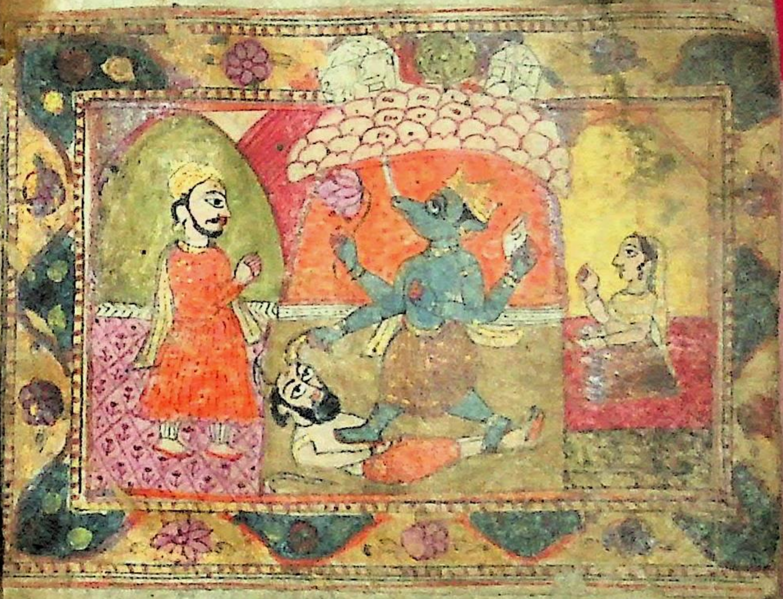
[illegible] ॥ [illegible]

[illegible]

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

[illegible]

वि न मि वीं हे तु [illegible] वं ए हू द र
श्री ढ स ॥ भ ह्लं ना त्रु भ ते क वि ढ
ल व वी हु ल भ ग्रीं वे हू द स ॥ १
र त्रु प त्रु क न भ वं वी स ह्ल द सु
वं प न भ ॥ स हूं ज ल य ः प ० ति से
ही ह मि द्धि म पु य त्त ॥ ८ ॥ हु
न भ पि म द हु ने हु ल पि क्रि
ल ले स री ॥ हु ल ते ल भ द ते ए
हु ल भ पि र मे सु ते ॥ ७ ॥ ॥
इति हु ल भ णी से हें ॥ ॥ से
॥ ॥ ह भ ॥ ॥ ॥
॥ ॥ नमः ॥ ॥



[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible] 𑆯𑇀𑆫𑆵𑆓𑆶𑆫𑆮𑆼𑆤𑆩𑆂

𑆯𑇀𑆫𑆵𑆫𑆱𑇀𑆠𑆶 𑆤𑆩𑆂 [illegible]

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

[illegible]

[illegible]



[illegible]

[illegible]

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]



[illegible]

[illegible]

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

[illegible]

[illegible]

स
म
५३

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

[illegible]

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

[illegible]

[illegible]

वटकवटकेशमी। वटप्रियव
मत्तेडवाभाटकेकलालभा। व
तवाभूवरादेवेटभातवमू
र। वघेघार वयश्रयवकाक
रभाढक। सप्तुप्रियासर्वच
सामलासशिवद्भूला। स्रीतृउ:
सीतवाभासे श्रीसीतंक पृ।
स्रीवद्भलाक्ठर सचासचवाभ
क्वाभिरी। ससाक्वफला लक्ष्मी
श्वसतुलततद्वि। सेकदश्री
सभीभुलासकरनतिसोपर।
घेकसीघेकसेतभाधकघेकध
कराय। घकुएघकूभाभाटघ

स
भ
१०

[illegible]

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible] ॥
७ ॥ शुभमस्तु ॥ [illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible] ॥ [illegible] ॥

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

[illegible]

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

[illegible]

॥ श्रीभैरव उवाच ॥

[illegible]

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

[illegible]

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

ॐ

श्रीभैरव उवाच॥ ॐ अथ प्रवक्ष्यामि
श्रीमद्राज्ञ्याः परमाद्भुतम्॥ यन्न
मन्त्रमयं दिव्यं हृदयं गुह्यतमं परम्॥
राज्ञी [illegible] ॥ [illegible]
॥ [illegible] राज्ञी मन्त्र देवेशि
[illegible] ऋषिः॥ गायत्री छ
न्दः श्रीराज्ञी देवता॥ [illegible]
बीजं [illegible] शक्तिः कवचं कीलकं
॥ [illegible] विनियो
गः [illegible]॥ ॐ अस्य श्रीराज्ञी
मन्त्रस्य ब्रह्मा ऋषिः॥ गायत्री छ
न्दः॥ श्रीराज्ञी [illegible] देवता॥ ह्रीं

[illegible]

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

[illegible] 𑇆 [illegible]
[illegible] 𑇆 [illegible]
[illegible] 𑇆 𑇑𑇓 𑇆 𑆅𑆠𑆴 [illegible]
[illegible] 𑇆 [illegible]
[illegible] 𑇆
[illegible]
[illegible]
[illegible] 𑇆 [illegible]
[illegible] 𑇆 [illegible]
[illegible] 𑇆 𑇆
𑆅𑆠𑆴 𑆯𑇀𑆫𑆵 [illegible] 𑇆 𑇆 𑇆 𑇆
[illegible] 𑇆 𑇆 𑆯𑆶𑆨𑆩𑆱𑇀𑆠𑆶 𑇆

१०

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

[illegible]

[illegible]

एतद्भूषणसमनरकपुरीघतकत
कृसक्ष॥मन्कुन्नरन्नतउन्कृयवि
पुन्नविपह्नृतकतदृठएम॥तकू
त्रिंयत्रियेवंमरठममरमभुह्य
घभूत्तुरमैः॥सैतेठदूलरदूलठर
मणिवमत्रैरभमेवितस्मे॥॥ ॥ ॥
इतिविश्वभूषकथा॥ शु ॥ ठा॥
ठिंमरमगरममकूर्लेकम
गं॥ठध्यस्वं०मुठठलेदृतमिद्रि
देतम॥वेकूदमुकृमलिकाड्व
रगाठुगोरं॥ऊंकेमिथपमभेी
वर्गविनुभुमा॥०॥मंपुन्हय

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

[illegible]

[illegible]
[illegible]
[illegible] ॥ [illegible]
[illegible] ॥ तं वन्दे शिवम् ॥ ५ ॥ ओं [illegible]
[illegible] ॥ [illegible]
[illegible] ॥
[illegible]
तं वन्दे शिवम् ॥ ६ ॥ [illegible]
[illegible] ॥ [illegible]
[illegible] ॥ [illegible]
[illegible]
तं वन्दे शि ॥ ७ ॥ [illegible]

𑆤𑆁𑆢𑆼𑆤𑆠𑆼𑆮𑆱𑆨𑆴 ॥ 𑇗 ॥ 𑆑𑆩𑆶𑆁𑆮𑆴
𑆤𑆮𑆴𑆫𑆼𑆑𑆵𑆮𑆴𑆮𑆼𑆑𑆮𑆴𑆑𑆬𑇀𑆥𑆁
𑆤𑆴𑆱𑇀𑆑𑆬𑆁𑆬𑆑𑇀𑆬𑆁 ॥ 𑆃𑆱𑇀𑆩𑆢𑇀𑆮𑆸𑆠𑇀𑆠𑆴𑆤
𑆮𑆴𑆁𑆢𑆶𑆱𑆼𑆮𑆢𑆼𑆠𑆱𑇀𑆩𑆶𑆤𑆼𑆑𑆼𑆥𑆴 ॥ 𑆠
𑆤𑆑𑇀𑆰𑆵𑆮𑆚𑇀𑆥𑆴𑆱𑆤𑆥𑆂 𑆑𑇀𑆱𑆶𑆫𑆂𑆱
𑆤𑆓𑆼𑆥𑆴𑆑𑆱𑇀𑆩𑆱𑆑𑇀𑆱𑆶𑆥𑆂 ॥ 𑆑𑇀𑆱𑆥𑆳
𑆮𑆮𑆴𑆫𑆟𑆱𑆤𑆷𑆥𑆁𑆯𑇀𑆫𑆶𑆠𑆴𑆑𑇀𑆱𑆶𑆱𑆬𑆼
𑆢𑆷𑆥𑆮𑆴𑆓𑆢𑆴𑆠𑆂 ॥ 𑆱𑆳𑆱𑆴𑆩𑆠𑇙
𑆱𑆳𑆫𑆵𑆥𑆼𑆱𑆳𑆠𑆢𑇀𑆫𑆶𑆤𑇀𑆤𑆼𑆥𑆴𑆱𑆮𑆼𑆢
𑆑𑆂 ॥ 𑆤𑆴𑆂𑆱𑆼𑆥𑆱𑆩𑇀𑆱𑆶𑆮𑆑𑇀𑆱𑆳𑆮𑆼𑆱𑆼𑆠𑆶
𑆱𑆳𑆫𑆼𑆠𑆤𑆮𑆑𑆴 ॥ 𑇘 ॥ 𑆑𑇀𑆱𑆮𑆤𑆥𑆢
𑆩𑆂 𑆑𑇀𑆱𑆠𑆮𑆢𑇀𑆫𑆶𑆩𑆢𑆴𑆮𑆴𑆤𑇀𑆤𑆱𑆠𑆴

[illegible]

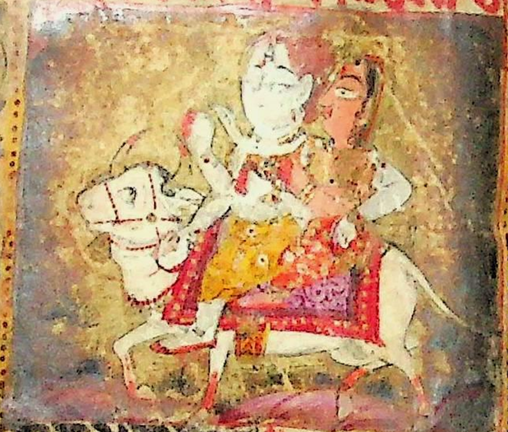
𑆅𑆠𑆴 𑆯𑇀𑆫𑆵 𑆨𑆓𑆮𑆠𑆵 𑆑𑆳𑆬𑆴𑆢𑆳𑆱𑆮𑆴𑆫𑆖𑆴𑆠𑆂 𑆱𑆩𑆳𑆥𑇀𑆠𑆂 ॥ ॥ ॥



[illegible]

[illegible]

[illegible]



[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

[illegible]

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

सीनेभ्यश्च वो नमो ॥ नमस्तिष्ठद्भ्यो
धावद्भ्यश्च वो नमो ॥ नमः सभाभ्यः ।
सभापतिभ्यश्च वो नमो ॥ नमोऽश्वेभ्यो
ऽश्वपतिभ्यश्च वो नमो ॥ नम आव्याधि
नीभ्यो विविध्यन्तीभ्यश्च वो नमो ॥ नम उ
गणाभ्यस्तृंहतीभ्यश्च वो नमो ॥ न
मो गृत्सेभ्यो गृत्सपतिभ्यश्च वो नमो ॥
नमो गणेभ्यो गणपतिभ्यश्च वो नमो ॥
नमो व्रातेभ्यो व्रातपतिभ्यश्च व
१ नमो ॥ नमो विरूपेभ्यो विश्वरूपेभ्यश्च
वो नमो ॥ नमो महद्भ्यः क्षुल्लकेभ्यश्च वो
नमो ॥ नमो रथिभ्यो ऽरथेभ्यश्च व

नमो॥ नमो भद्रेष्ठकेहस्रवे नमो॥
नमो पवहः स्रुमीवेहस्रवे नमो॥
नमः हाड्डः अमृदेहस्रवे नमो॥
नमो भ्रमद्रेशक्रेहस्रवे नमो॥
नमः ऊनानेहः कदगेहस्रवे नमो॥
नमः पश्लिष्ठेहे निर्घदेहस्रवे न
मो॥ नमः स्रवेहेभगापूहस्रवे न
मो॥ नमः स्रहः खपडिहस्रवे नमो॥
॥ नमो ठवघयदनपृघय॥ नमः
मवघयपश्रुपतठेघय॥ नमो नी
लग्रीवघय॥ शितिकण्ठघय॥
नमो हृष्टे पलगडकपर्दिनेघ॥

[illegible]

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible] 𑇓
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

ति ॥ ॐ फं मः ॥ ये नीलग्रीवाः
शितिकण्ठा दिवं रुद्रा उपश्रि
ताः ॥ ॐ फं मः ॥ ये नीलग्रीवाः
शितिकण्ठा दिवं रुद्रा शर्वा अ
धः क्षमाचराः ॥ ॐ फं मः ॥ ये वृ
क्षेषु शष्पिञ्जरा नीलग्रीवा वि
लोहिताः ॥ ॐ फं मः ॥ ये अन्नेषु विवि
ध्यन्ति पात्रेषु पिबतो जनान् ॥ ॐ
फं मः ॥ ये भूतानामधिपतयो वि
शिखासः कपर्दिनः ॥ ॐ फं मः ॥
ये पथीनां पथिरक्षय ऐलबृदा
युर्युधः ॥ ॐ फं मः ॥ ये तीर्थानि

रु॰ सू॰ ३३

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

[illegible]

धमनीलोकेभयाद्
सिद्धवरं ॥ किं प्राकलो
गुरुलग्नि ॥ भयाद्
त्रिय ॥ मत्र्य देवह्
चवमरदुः ॥ दुपि
पः कउकुरुपे त्रिम
पिरपत्रिकेलायातुग
उः ॥ प ॥ वदेला
कः किम ॥ उमे वृद्धि
धे- पिलागउयेपुग
प किकवरिवागदु
१

[illegible]

प्राणवल्लभवल्लभ
स्तवपथः ॥ इत्येकत्रिं
शद्वृत्तमुखेनाद्र
गिरिमस्तकपदस्फारा
हृदवक्रिमगवृत्तिरद
लत्रि ॥ ३० ॥ मृयन्त्रमम
हृदिद्ववनभैवारिहा
कं ॥ दममृपदन्धा
नहृदालकंबुपराव
मान ॥ मिरःपद्मम

म॰ पु॰ ९

[illegible]

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

म. प.

इदेवमग्नलग्नविश्वतः
भूमीहृमिनपवविं
मेहनवः ॥ मकेलपः
कस्त्रिमवगमेनृपिय
मडविकरैपुरुणयूहव
नहपमहूमत्रि : ॥
०॥ पभिहरुभनैवक्रेपि
दपिमदेवषगनै ॥
निवडुतेसिंहलगतेल
यंरेपभविमिपत ॥ म

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

गत्रुप्रसन्नोःगन्धोग

रचू ॥ रफच्छ्रमद्धेके

धुमरलघालिःमगः

ति ॥ किण्ठेमेकेयहि

प्रश्लमाच्छम्रविधि

विवेपःइम्भिच्छ्रीघल

परतुःपुष्कृतिपः ॥

दरिमेभाटमंकमलो

भ० वल्लिमायपयथ्य ॥ द

मकेचेउम्भित्रिलिभम

[illegible]

[illegible]

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

वत् । नमुत्तमसम्
ट्टुत्तदमनपूर्णीमा
मूदैमदनवृंदिमूप
रवडुयमर्पि ११ पा
नमोविष्णुयप्रियमव
य विष्णयमनमैं नमः
हैविष्णयमदरमर्दि
ष्णुयमनमः नमोवि
ष्णुयत्रिनयनविष्णुय
मनमै नमःभवमैदै

वन नमुद्गमध्
ष्ठत्वदमनष्टुवातमा
श्वेदसदत्वूरुतिदभूप
रभाणि ११ पा
रवद्वयभाणि
नमो वे विष्णवे प्रभविष्णवे
ष्णवे प्रभविष्णवे नमः
हे विष्णवे नमः
ष्णवे नमः नमो वि
ष्णवे विष्णवे
नमः नमः

[illegible] न-
मः ॥७॥ [illegible]
[illegible] पतये न-
मः ॥ [illegible]
[illegible] पतये नमः ॥
[illegible]
[illegible] पतये नमः ॥
[illegible]
[illegible] पतये नमः ॥१०॥
[illegible]

[illegible] ०१

[illegible]

[illegible]

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible] [illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible] [illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible] [illegible]
[illegible]

[illegible]

मपादिनीमुखी
लिङ्गेदवडिहृयपि
महेशः ॥ ॥ ॥ ॥

६० ॥ इति श्रीपुष्प
दन्ताचार्यविरचितं
महिम्नाख्यस्तोत्रं
सम्पूर्णम् ॥

॥ ॥ ॥ ॥

[illegible]

[illegible]
[illegible]
[illegible] ॥ ॥ ॥ ॥

𑇒𑇐 ॥ 𑆅𑆠𑆴𑆯𑇀𑆫𑆵 [illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible] ॥

॥ ॥ ॥ ॥

[illegible] 𑇐𑇕

[illegible]

[illegible]

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

[illegible]

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

[illegible]

वविशफमूयम्रलिङ्गाय ॥ का
लकण्ठदन्तयत्रवलिक्षिप्त
य ॥ नमायनगङ्गाभिषेकाय नमः
शिवाय ॥१॥ अंभस्मधूलिल
ङ्गः पवित्रकराय ॥ रुद्रः पिश
य ग~वाचम्भाकुलाय ॥
वृषभध्वजभर्गैर्नम्रम
उपमानुलमस्मवसमाय नर
मः शिवाय ॥८॥ शिवाष्टकमि
दं पुण्यः पठेच्छिवसन्निधौ ॥ श
तपञ्चजन्मलंशप्त शिवलोके
महीयते ॥ ॥ ॥ इति शिव
ष्टकं समाप्तम् ॥ ॥ ॥ शुभं

ॐ श्रीगुरुदेवाय॥ नमोऽस्तु
गुरवे तस्मै गुणवते गुरुरूपिणे॥
गुरुदेवाय देवाय लग्नाय
सत्यपिवे॥ नमोऽस्तु लग्नाय
सत्यपिवे विष्णुरूपिणे॥ शिवस्व
रूपदेवाय विश्वरूपाय वै न
मः॥ नमः सर्वाय सर्वाय सर्व
रूपाय सिद्धये॥ रुद्राय शि
वरूपाय नमस्त्रिपुरवासि
ने॥३॥ त्रिदेवाय देवाय गौ
रवाय महेश्वरे॥ सर्वरूप
सिद्धिप्रदाय नमस्ते रूपरूपिणे॥ १

[illegible]

[illegible]

𑆩𑇀𑆫𑆴𑆁𑆫𑆮𑆜𑆼 𑆮𑆴𑆱𑆳𑆫𑇀𑆓𑆁𑆱𑆩𑆴𑆑𑇀𑆰𑆶𑆑𑆨𑆶𑆠𑆩𑆳𑇆𑇅
𑆨𑆶𑆥𑆢𑆼𑆮𑆩𑇀𑆩𑆴𑆁𑆠𑆩𑆳𑆠𑇀𑆫𑆶𑆁𑆱𑆪𑆷𑆓𑆱𑆮𑆫𑆴𑆯𑆴
𑆠𑆩𑆳𑇅𑇅𑆱𑆮𑆴𑆥𑇀𑆫𑆢𑆫𑆼𑆁𑆢𑆼𑆮𑆁𑆠𑆮𑆜𑆼𑆱𑆴𑇅
𑆓𑆴𑆮𑆢𑆤𑆩𑆳𑇆𑆂𑆠𑆼𑆠𑆼𑆩𑆼𑆠𑆓𑆬𑆼𑆱𑆁𑆪𑆼
𑆥𑆴𑆯𑇀𑆫𑆶𑆠𑆴𑆱𑆫𑆮𑆂𑇅𑆱𑆑𑆑𑆳𑆁𑆬𑆼𑆢𑇀𑆫𑆴𑆑
𑆁𑆬𑆼𑆮𑆳𑆢𑇀𑆫𑆴𑆑𑆬𑆁𑆮𑆳𑆥𑆴𑆱𑆶𑆲𑆷𑆥𑆳𑇆𑆓𑆬𑆼𑇅
𑆮𑆴𑆮𑆳𑆜𑆼𑆠𑆶𑆠𑆼𑆮𑆳𑆟𑆼𑆪𑆼𑆓𑆬𑆑𑇀𑆫𑆷𑆬𑆼𑆮𑆴𑆮𑆳
𑆮𑆴𑆑𑇀𑆰𑆳𑆨𑆶𑆠𑆼𑆮𑆼𑆓𑆳𑆥𑆷𑆠𑆼𑆱𑆲𑆷𑆫𑆢𑆼𑆓𑆶
𑆯𑆴𑆥𑆴𑇆𑆨𑆶𑆠𑆼𑆓𑆼𑆱𑆑𑇀𑆫𑆶𑆂𑆑𑇀𑆫𑆩𑆳𑆮𑆼𑆮𑇅
𑆓𑆜𑆼𑆟𑆮𑆼𑆠𑇅 𑇆 𑇆 𑇆 𑇆𑆅𑆠𑆴𑆯𑇀𑆫𑆵𑆑𑇀𑆫𑆩
𑆱𑆩𑆼𑆠𑆁𑇆 = 𑇆 = 𑇆 ० 𑇆

[illegible]

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

विदः पतङ्गस्तु केतनः ॥ ० ॥ भ
गीरथो दत्त्यम [illegible] देवहृद
ष । न रन्तुः भपूपन्तीमदयः क
नैनन्प्रियः ॥ ७ ॥ [illegible] विंमति
[illegible] भूपंतेवरः ॥ [illegible] यंतुठ
यंतमूभप्रपिरठविप्रति ॥ गनसु
केमिकस्सैव पिप्पलादं भगवन्नभि
मनैस्सरनतत्त्वेषामयत्तिद्यः
भन्तः ॥ कि [illegible] पिप्पलेरवहः
[illegible] दितुकेयमः ॥ [illegible] मत्रैस्स
रभवः पिप्पलादो रवमस्तुः ॥
सतविरमरभगविशतकरूयकी

[illegible]

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

[illegible]

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

[illegible]कमिंद्र[illegible]
[illegible]ऽ॥ [illegible]
[illegible] ॥ ७ ॥

इति श्री गजेन्द्रमोक्षः ॥ ॥





[illegible]

तिमिरान्धस्य ज्ञानाञ्जनशलाक
या चक्षुरुन्मीलितं येन तस्मै श्री
गुरवे नमः ॥ ८ ॥ गुरुः ब्रह्मा गुरुः
विष्णुः गुरुः साक्षान्महेश्वरः ॥
गुरुरेव परं ब्रह्म तस्मै श्रीगुरु
वे नमः ॥ ९ ॥ नमस्ते नाथ भगव
न् शिवाय गुरुरूपिणे ॥ विद्याव
तारसंसिद्ध्यै स्वीकृतानेकविग्र
ह ॥ १० ॥ नवाय नवरूपाय प
रमार्थैकरूपिणे ॥ सर्वाज्ञानत
गी मोभेदभानवे चिद्घनाय ते ॥ ११
३ स्वतन्त्राय दयाक्लृप्तविग्रहाय प

[illegible]

श्री
७

𑆥𑆖𑆠𑆟𑇀𑆝𑆴𑆥𑆖𑆩𑆪𑆽𑆥𑆳𑆖𑆞𑆽𑆠𑆽𑆩𑆼
𑆤𑆩𑆂𑇆𑇗𑇆𑆪𑆑𑆳𑆑𑆴𑆩𑆷𑆪𑆪
𑆞𑆼𑆩𑆳𑆟𑆴𑆑𑆨𑆳𑆜𑆼𑇆𑆪𑆲𑆴𑆮
𑆢𑆩𑆲𑆷𑆪𑆽𑆪𑆲𑆴𑆞𑆽𑆠𑆽𑆩𑆼𑆤𑆩𑆂𑇆𑇑
𑆱𑆮𑆤𑆨𑆠𑇀𑆫𑆷𑆨𑆑𑇀𑆠𑆪𑆽𑆱𑆩𑆴𑆥𑆢𑇀𑆩𑆼
𑆓𑆞𑆷𑆪𑆼𑇆𑆱𑆑𑆷𑆜𑆼𑆢𑆮𑆁𑆨𑆑𑇀𑆠𑆪𑆽𑆩𑆴
𑆮𑆪𑆽𑆠𑆽𑆩𑆼𑆤𑆩𑆂𑇆𑇓𑇆𑆠𑆳𑆤𑆲𑆷𑆥
𑆓𑆑𑇀𑆮𑆖𑆩𑆴𑆢𑇀𑆩𑆷𑆓𑆑𑆫𑆩𑆢𑇀𑆩𑆼𑇅𑆮
𑆣𑆩𑆠𑇀𑆫𑆷𑆨𑆑𑇀𑆠𑆪𑆽𑆱𑆫𑇀𑆮𑆴𑆑𑆪𑆽𑆤𑆩𑆼
𑆁𑆤𑆩𑆂𑇆𑇓𑇆𑆮𑆴𑆢𑇀𑆩𑆷𑆲𑆷𑆱𑆮𑆨𑆷𑆓𑆪
𑆅𑆫𑆱𑆷𑆥𑆳𑆢𑇀𑆩𑆷𑆫𑆴𑇆𑆩𑆲𑆴𑆫𑆼𑆲𑆠𑆮
𑆨𑆪𑆽𑆱𑆳𑆫𑆴𑆑𑆪𑆽𑆤𑆩𑆼𑆤𑆩𑆂𑇆𑇑𑇐𑇆

[illegible]
[illegible]
[illegible] ॥ [illegible] ॥ [illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible] ॥ १३ ॥ ॥ इति श्रीमा
र्कण्डेयपुराणे [illegible] ॥ [illegible] ॥ ॐ
[illegible]
[illegible]
[illegible]
श्री [illegible] ॥ १० ॥ [illegible]
[illegible]

[illegible]

भूः सिद्धरतीलसत्रसमसेह
त्मूलनुः सम ॥ यस्तुगुदक
तिम्नः सुसवसंयत्रसवेदतिम्नः
पद्मसुतरतुवेणपनः सम
नरतस्तुग ॥ सुसैतद्यमग
नचिरं श्रीमाणिक्यचेतयः ॥ १ ॥
यभूः सुरूसमवेवसमवेद
गनवसूयग ॥ संसेतवरक।
क्लिन्दगि सणचेपिवसंत्र।
पितः ॥ सतत्रैकविणतृगुदव
तसूवेत्रसितसूवर ॥ तसैतुंपत
उत्तिरसरपरं श्रीमाणिक्यचेतयः ॥ २

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

[illegible]



[illegible]

[illegible]



[illegible]

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

श्री ७

[illegible]


DEPOSE

[illegible]

[illegible]

[illegible]



[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

[illegible]

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

[illegible]

𑆑𑇀𑆫𑆾𑆠𑇀𑆫𑆶𑆠𑆑𑆳𑆩𑆂𑆠𑆑𑆳𑆑𑆾
𑆥𑆚𑆠𑇅 𑆱𑆠𑆴𑆩𑆳𑆤𑆶𑆴𑆑𑇀𑆫𑆥
𑆥𑆶𑆁𑆱𑆱𑇀𑆠𑆽𑆘𑆱𑆩𑆤𑆠𑆓𑆢𑆫𑆂𑇆 𑆱𑆫𑆴
𑆓𑆴𑆠𑇀𑆫𑆼 𑆠𑆽𑆬𑆼𑆓𑆳𑆩𑆴𑆢𑇀𑆣
𑆢𑆑𑇀𑆰𑆥𑆂𑇆 𑆑𑆫𑆩𑆑𑇀𑆫𑆫𑆑𑇀𑆫𑆥
𑆥𑆶𑆁𑆑𑆫𑆱𑇀𑆠𑆽𑆮𑆱𑆝𑆵𑆥𑇀𑆫𑆩𑆳𑆢𑆳𑇆
𑆑𑇀𑆫𑆩𑆑𑆼𑆠𑆱𑆤𑆢𑆑𑆼𑆠𑆱𑆮𑆑𑆼
𑆢𑆶𑆫𑆠𑆱𑆂𑇆 𑆠𑇀𑆫𑆴𑆥𑆴𑆫𑆱𑆶𑆤𑇀𑆢𑆫𑆂
𑆩𑆑𑇀𑆰𑆂 𑆩𑆼𑆣𑆁𑆩𑆠𑆶𑆤𑇀𑆢𑆫𑆮𑆢𑇆
𑆤𑆩𑆂 𑆥𑇀𑆫𑆮𑆳𑆓𑆴𑆫𑆓𑆽𑆣𑆑𑆴𑆤𑇀
𑆓𑆫𑆩𑆼𑆤𑆩𑆂𑇆 𑆠𑆣𑆵𑆮𑆼𑆱𑆶𑆫𑆩𑆴𑆠𑆴
𑆅𑆥𑆱𑇀𑆠𑆴𑆩𑆳𑆓𑆩𑆼𑆤𑆩𑆂 𑆱𑆶𑆣𑆵

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

धिः मम
दि
कर्नी
नीकी
विभी
सकल
कीर्ति
भिनी